

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरूवार, 26 नवंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 314, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत ने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया : शिवराज सिंह



नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि भारत ने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में करीब 50 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकले हैं और अत्यंत गरीबी की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर मात्र 2.6 प्रतिशत रह गई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह इस असाधारण उपलब्धि में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों, कृषि अनुसंधान , भूमि संसाधन तथा ग्रामीण विकास योजनाओं के योगदान पर मंथन करने और आगे की रणनीति तय करने के लिए आज नई दिल्ली स्थित आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस संयुक्त कार्यशाला में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान भी शामिल रहे।

50 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना अमेरिका की आबादी से भी बड़ा चमत्कार

कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, आईसीएआर, ग्रामीण विकास विभाग और भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि हमारे देश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में जो उपलब्धि हासिल की है, वह सचमुच असाधारण, अद्भुत और अकल्पनीय है। स्वयं वर्ल्ड बैंक ने माना है कि दुनिया के किसी भी देश में इतनी तेजी से गरीबी कम नहीं हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कहने को 50 करोड़ का आंकड़ा आसान लगता है, लेकिन यदि हम तुलना करें तो अमेरिका की कुल आबादी लगभग 30 करोड़ है और पूरे यूरोप की आबादी भी मिला दें तो शायद 50 करोड़ न हो। इतने विशाल जनसमूह का गरीबी की रेखा से ऊपर उठना एक ऐतिहासिक घटना है।

दिल्ली भाजपा 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस समारोह करेगी आयोजित, शाह होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली ईकाई 26 नवबंर को सिविक सेंटर में "संविधान गौरव दिवस समारोह" का आयोजन करने जा रही है। इस समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में शामिल होंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस समारोह का आयोजन संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने और संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से



किया जा रहा है। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि समारोह में दिल्ली के बुद्धिजीवी वर्ग को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के सभी सांसदों एवं आमंत्रित बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करेंगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भी कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान में संशोधन किए।

कांग्रेस के लोगों ने संविधान की मूल भावना की हत्या कर दी: बीजेपी



मल्होत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस नेता संविधान की छोटी प्रति जेब में रखकर बात-बात पर संविधान की शपथ लेते हैं, इन लोगों ने संविधान की मूल भावना की हत्या कर दी। 1975 में इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता रहते प्रेस पर सेंसरशिप लगाई और लाखों लोगों को जेल में बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ही तरह आम आदमी पार्टी भी अराजक पार्टी है, जिसके मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने न सिर्फ राजपथ (कर्तव्य पथ) पर धरना दिया, बल्कि शराब घोटाले में गिरफ्तार होने के बाद भी बहुत दिनों तक इस्तीफा देने से इनकार किया। दिल्ली भाजपा "संविधान गौरव अभियान" के तहत दिल्ली एवं देशवासियों को संविधान के प्रति जागरूक कर रही है और इस अभियान का उद्देश्य है कि डॉ. अम्बेडकर के सपनों के भारत का निर्माण करें - जहां सामाजिक समरसता हो, समानता हो और हर नागरिक को न्याय मिले। मल्होत्रा ने कहा कि "संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और आकांक्षाओं का दस्तावेज है।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने संविधान के आदर्शों को व्यवहार में उतारा है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक का अंत और समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम ये सभी संविधान की मूल भावना को सशक्त करने वाले निर्णय हैं।

सीतारमण ने अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ की बैठक

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियों के तहत अनुसंधान एवं विकास और उच्च शिक्षा क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बजट को लेकर चर्चा की। वित्त मंत्रालय के मुताबिक नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई 11वीं प्री-बजट परामर्श बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग, शिक्षा मंत्रालय और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिवों के साथ-साथ भारत सरकार के मुख्य आर्थिक



सलाहकार भी शामिल हुए। पिछले केंद्रीय बजट में सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 28,049.32 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) योजना के लिए 20,000 करोड़ रुपये शामिल थे। इसके अलावा, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के लिए 2,000 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के लिए 900 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे। ये आवंटन अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र को मजबूत करने पर सरकार के फोकस को दर्शाते हैं। वित्त मंत्रालय प्रत्येक वर्ष केंद्रीय बजट से पहले उद्योग जगत, अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों, राज्य सरकारों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बजट पूर्व परामर्श बैठकें करता है, ताकि बजट में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के सुझावों को शामिल किया जा सके। बजट बनाते समय देश की प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण किया जा सके।

एनवीडिया के सीईओ पद पर फिर लौटे जेन्सेन हुआंग, बोर्ड ने सर्वसम्मति से दी मंजूरी

सांता क्लारा/एजेंसी

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया ने अपने संस्थापक जेन्सेन हुआंग को तत्काल प्रभाव से दोबारा कंपनी का अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर दिया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें बोर्ड में भी फिर से शामिल करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। हुआंग ने 12 नवंबर को कंपनी के सीईओ और बोर्ड सदस्य के पद से इस्तीफा दिया था। उनकी जगह अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रहीं कोलेट क्रेस अब फिर मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में



काम करेंगी। एनवीडिया की ओर से जारी बयान के अनुसार, बोर्ड ने हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकें कीं। इसके बाद निदेशकों ने उनके जवाबों और कंपनी का नेतृत्व करने की क्षमता पर भरोसा जताया। इस प्रक्रिया के दौरान अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।



- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

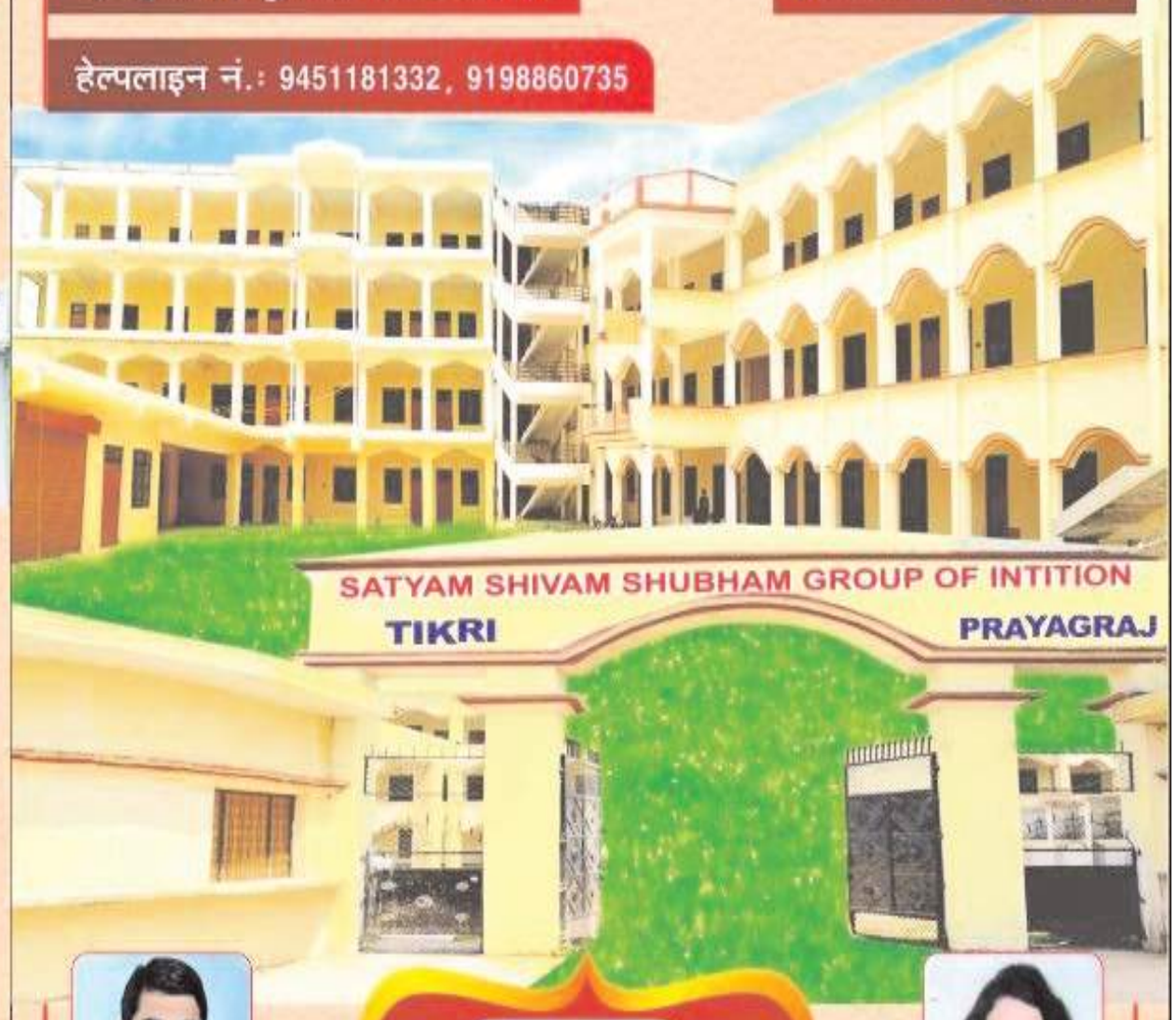



संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.



राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

शादी से लौट रही महिला से लूट का 24 घंटे में खुलासा, मुख्य साजिशकर्ता समेत सात गिरफ्तार

मौसी के जेवर लूटने की भांजे ने ही रची थी साजिश, सराफा कारोबारी से भी बरामद हुई लूटी गई चांदी की हाफ पेटी



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। बिन्दकी कोतवाली पुलिस ने शादी समारोह से घर लौट रही महिला से हुई लूट की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता समेत सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे और निशानदेही पर पीली धातु का गले का हार, सफेद धातु की कमर की हाफ पेटी, 20 हजार रुपये नकद और सात मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है।

पुलिस के मुताबिक, 22 नवंबर की रात करीब 11 बजे अंजना देवी पत्नी किशन चन्द्र निवासी पाण्डेयपुर अपने रिश्तेदार जीत बहादुर के साथ जाफराबाद में आयोजित शादी समारोह से मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। रास्ते में जाफराबाद से करीब एक किलोमीटर आगे सुनसान स्थान पर पहले से घात लगाए चार लोगों ने डंडे के बल पर मोटरसाइकिल रुकवा ली। इसके बाद महिला को सड़क किनारे खेत में गिराकर डिब्बे में रखे जेवरात लूट लिए और फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर 23 नवंबर को बिन्दकी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

भांजे ने ही तैयार की थी लूट की योजना

पुलिस की जांच में सामने आया कि घटना का मुख्य साजिशकर्ता जीत बहादुर महिला का रिश्तेदार और भांजा है। पूछताछ में उसने बताया कि मोटरसाइकिल की किस्त बकाया थी और मां के इलाज के लिए भी उस पर कर्ज था। शादी समारोह में मौसी को भारी जेवर पहने देखकर उसने अपने पांच साथियों के साथ लूट की योजना बनाई। वारदात वाली रात उसने मोटरसाइकिल का इंडिकेटर जलाकर साथियों को इशारा किया। एक साथी आने-जाने वालों की रेकी कर रहा था, जबकि अन्य ने डंडे का भय दिखाकर जेवर लूट लिए।

हार बेचकर मिले 20 हजार रुपये

पुलिस के अनुसार, लूट के बाद सोने का हार जहानाबाद में आदित्य सोनकर को 1.20 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया गया था।

इसमें 20 हजार रुपये नकद दिए गए थे, जबकि शेष एक लाख रुपये बाद में देने की बात तय हुई थी। वहीं चांदी की हाफ पेटी बिन्दकी सराफा बाजार में 18 हजार रुपये में गिरवी रखी गई थी, जिसके बदले छह हजार रुपये ऑनलाइन प्राप्त किए गए थे। पुलिस ने सुनार की दुकान से हाफ पेटी बरामद की। पुलिस के मुताबिक, सुनार की भूमिका में सद्भावनापूर्वक कार्य किया जाना पाया गया है।

देवा की निशानदेही पर पुलिस ने जहानाबाद के पास से आदित्य सोनकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पीली धातु का हार बरामद किया। पुलिस ने मामले में विवेचना के दौरान संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी की है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को 25 नवंबर को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी बिन्दकी के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

420 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के लिए किया जागरूक

कौशाम्बी पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई कार्यशाला, साइबर ठगी होने पर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की दी जानकारी



सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जनपदीय साइबर सेल और साइबर क्राइम थाना की टीम ने कौशाम्बी पब्लिक स्कूल, कसिया (कोखराज) में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इसमें 420 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए गए।

कार्यशाला में पुलिस टीम ने बैंकिंग फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैन, व्हाट्सएप हैकिंग, ओएलएक्स ठगी, केवाईसी स्कैम, हनी ट्रैपिंग, फर्जी एप, ऑनलाइन लोन स्कैम, केबीसी के नाम पर ठगी, एटीएम फ्रॉड और सेक्सटॉर्शन सहित साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया।

पुलिस टीम ने कहा कि साइबर अपराधी लोगों को तरह-तरह के प्रलोभन देकर उनकी जीवनभर की जमा पूंजी हड़प लेते हैं। ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं और अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी और पासवर्ड किसी से साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने और बिना जानकारी के क्यूआर कोड स्कैन करने से भी बचें।

कार्यशाला में गृह मंत्रालय भारत सरकार की साइबर हेल्पलाइन 1930 और वेबसाइट www.cybercrime.gov.in की जानकारी दी गई। बताया गया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से स्वयं जागरूक रहने के साथ दूसरों को भी साइबर अपराध के प्रति सतर्क करने की अपील की।

जिला अस्पताल परिसर में छह लाख की चोरी का एक और आरोपित गिरफ्तार, 65 हजार रुपये बरामद

मंझनपुर बस स्टैंड के पास से पुलिस ने दबोचा, दो आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिला अस्पताल मंझनपुर स्थित आवासीय परिसर में डॉक्टर के घर हुई लाखों की चोरी के मामले में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के 65 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर 2026 को जिला अस्पताल मंझनपुर के आवासीय परिसर में रहने वाले डॉ. रमेश चंद्र यादव के घर का ताला तोड़कर चोरी की गई थी। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। दोपहर करीब 2:55 बजे उन्हें घर का ताला टूटने की जानकारी मिली। घर पहुंचने पर अलमारी का ताला टूटा मिला और सोने-चांदी के आभूषणों के साथ करीब छह लाख रुपये नकद गायब थे। मामले में मंझनपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने घटना में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को निर्देश दिए थे। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने वांछित आरोपित वकील उर्फ रिजवान निवासी जनेठा, थाना बनियाठेर, जिला संभल को मंझनपुर बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह तीन अन्य साथियों के साथ कौशांबी आया था और आवास का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चोरी किए थे। बाद में सभी ने चोरी का सामान और रुपये आपस में बांट लिए थे। उसके हिस्से में 75 हजार रुपये आए थे, जिसमें से 65 हजार रुपये पुलिस ने बरामद किए हैं। शेष रकम खर्च होने की बात उसने बताई। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने साथियों के साथ मिलकर कॉलोनियों में चोरी करने की बात भी स्वीकार की है।

बूथ मजबूत करने को घर-घर संपर्क करें कार्यकर्ता : केशव मौर्य

पात्र लोगों के वोटर कार्ड बनवाने में करें मदद, अधिकारियों को चेताया- जनता को परेशान किया तो तय होगी जवाबदेही



हनुमान प्रसाद शुक्ल सबसे तेज प्रयागराज

जौनपुर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को जौनपुर में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर नियमित बैठकें करने और घर-घर संपर्क अभियान चलाने को कहा। साथ ही पात्र लोगों के नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने में सहयोग करने की अपील की।

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित बैठक में केशव मौर्य ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर कार्यकताओं की सक्रियता और जनता से निरंतर संपर्क है। कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाएं। जिन पात्र लोगों का अभी तक वोटर कार्ड नहीं बना है, उन्हें चिह्नित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने में मदद करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार युवा, महिला, किसान और गरीबों के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। किसान सम्मान निधि, लखपति दीदी अभियान, महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन और युवाओं के कौशल विकास जैसी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए।

इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक समेत जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने थाना, ब्लॉक और तहसील स्तर पर कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। कहा कि जनता की शिकायतों का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशान न किया जाए। वाहनों के गलत चालान करने पर भी उन्होंने नाराजगी जताते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। मौर्य ने गांवों में चकमार्गों से अवैध अतिक्रमण हटाकर उनका निर्माण कराने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्व की स्थिति में बहाल करना संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है। बिजली विभाग के अधिकारियों को गलत बिलिंग से उपभोक्ताओं को परेशान नहीं करने और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं सड़क निर्माण और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यालयों तक सीमित रहने के बजाय क्षेत्र में जाकर विकास कार्यों की गुणवत्ता जांचने की हिदायत दी। बैठक में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, जिलाधिकारी।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

साइबर अपराध, गुड टच-बैड टच और आत्मरक्षा के बताए तरीके



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर बुधवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीमों ने गांवों, कस्बों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने नए आपराधिक कानूनों, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण और साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। साथ ही बालिकाओं को गुड टच-बैड टच के बारे में समझाया गया और आत्मरक्षा के तरीके बताए गए। पुलिस टीमों ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की। इसके अलावा महिलाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने कहा कि किसी भी तरह की समस्या या उत्पीड़न होने पर महिलाएं बिना डर के पुलिस से संपर्क करें। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

टप्पेबाजी कर महिलाओं के कुंडल उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार



खुर्जा में दो महिलाओं को बनाया था निशाना, चोरी के दो कुंडल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। खुर्जा नगर पुलिस ने महिलाओं को बातों में उलझाकर उनके कानों के कुंडल चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से पीली धातु के दो कुंडल बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान हरियाणा के ओल्ड फरीदाबाद क्षेत्र के ग्राम मवई निवासी इरफान पुत्र शकीर अहमद के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सात नवंबर को खुर्जा नगर क्षेत्र में एक महिला को बातों में उलझाकर उसके कानों के कुंडल ले लिए थे। इसके बाद 10 नवंबर को भी इसी तरह एक अन्य महिला को निशाना बनाया। दोनों मामलों में खुर्जा नगर थाने में अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए थे।

बुधवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नर्सरी मैरिज होम के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी किए गए दोनों कुंडल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रामफल सिंह, उपनिरीक्षक तपेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अभिषेक कुमार और राम सिंह शामिल रहे।

प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ संघर्ष और सफलता की कहानी भी साझा करेंगे पीसीएस अधिकारी



डॉ. अंकित राज की खास बातचीत में मंगलेश दुबे और विनय सिंह युवाओं को बताएंगे सफलता के मंत्र

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रशासनिक सेवा में सफलता हासिल करने का सफर आसान नहीं होता। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, संघर्ष और चुनौतियों से जूझने की कहानी छिपी होती है। इन्हीं अनुभवों को सामने लाने के लिए डॉ. अंकित राज ने पीसीएस अधिकारी मंगलेश दुबे और विनय सिंह से विशेष बातचीत की।

इस बातचीत में दोनों अधिकारी पीसीएस बनने की तैयारी से लेकर सफलता तक के सफर को साझा करेंगे। साथ ही प्रशासनिक सेवा में आने वाली चुनौतियों, कार्यशैली और जिम्मेदारियों पर भी चर्चा होगी। बातचीत का खास पहलू यह होगा कि सरकारी पद और फाइलों से इतर अधिकारियों के व्यक्तिगत अनुभवों और जीवन के अनछुए पहलुओं को भी सामने लाया जाएगा।

इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए सफलता के लिए निरंतर मेहनत, धैर्य और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश भी दिया जाएगा।

परिवार परामर्श केंद्र में सुलझे दो दंपतियों के विवाद, साथ रहने को हुए राजी

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने कराई काउंसलिंग, आपसी मनमुटाव भुलाकर फिर थामा एक-दूसरे का हाथ



सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के तहत बुधवार को पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के जरिए दो दंपतियों के पारिवारिक विवाद सुलझाए गए। पुलिस और काउंसलर की समझाइश के बाद दोनों दंपतियों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र में पति-पत्नी के बीच विवादों को बातचीत और आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी एंटी रोमियो एवं मिशन शक्ति प्रीति कटियार और काउंसलर साधना देवी ने दो मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनी और उनकी काउंसलिंग की।

काउंसलिंग के दौरान दंपतियों को आपसी समझ और सामंजस्य के साथ पारिवारिक जीवन बिताने की सलाह दी गई। इसके बाद दोनों दंपति पुराने मनमुटाव भुलाकर फिर से साथ रहने को राजी हो गए। इस दौरान परिवार परामर्श केंद्र के कर्मचारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश



स्वाती मिश्रा सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने बुधवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एसपी ने प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े और उन्हें त्वरित राहत मिल सके।

एंटीबायोटिक के अनावश्यक इस्तेमाल से बढ़ रहा सुपरबग्स का खतरा

मेडिकल कॉलेज में एंटीमाइक्रोबियल ड्रग रेजिस्टेंस पर हुआ सेमिनार, विशेषज्ञों ने दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग पर दिया जोर



सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशांबी में बुधवार को एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह के तहत एंटीमाइक्रोबियल ड्रग रेजिस्टेंस विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने एंटीबायोटिक दवाओं के अनावश्यक इस्तेमाल से बढ़ रहे दवा प्रतिरोध के खतरे पर चिंता जताई। साथ ही सुपरबग्स की रोकथाम के लिए दवाओं के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग और संक्रमण नियंत्रण पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. हरिओम कुमार सिंह ने कहा कि एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। इससे निपटने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग, प्रभावी सरकारी नीतियां और संक्रमण नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने इस दिशा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका भी बताई। कहा कि आधुनिक तकनीक से संक्रमण की शीघ्र पहचान और उचित उपचार चुनने में मदद मिल सकती है।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के सह-आचार्य डॉ. अरिंदम चक्रवर्ती ने सुपरबग्स और वन हेल्थ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने मानव, पशु और पर्यावरण के स्वास्थ्य को एक-दूसरे से जुड़ा बताते हुए जीवाणु संवर्धन और औषधि संवेदनशीलता परीक्षण की उपयोगिता समझाई। वहीं औषधि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अतिक सिंह ने एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध रोकने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सही दवा, उचित मात्रा और निर्धारित अवधि तक दवा लेने की आवश्यकता बताई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

हुसैनगंज क्षेत्र के चांदीपुर के आगे हुआ हादसा, अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस के अनुसार, हादसा चांदीपुर के आगे असनी की ओर हुआ। बाइक सवार तीन लोग जा रहे थे, तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

आज लखनऊ में निकलेगी संविधान रक्षा यात्रा, कौशाम्बी से हजारों कांग्रेसी होंगे शामिल

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय बोले- संविधान और वोट के अधिकार की रक्षा के लिए सड़क पर उतरेगी कांग्रेस



ब्यूरो चीफ सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संविधान रक्षा यात्रा निकाली जाएगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में कौशाम्बी से जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय की अगुवाई में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके लिए जिले से करीब 50 वाहनों के साथ बस और ट्रेनों के जरिए कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचेंगे।

बुधवार को प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि आजादी के बाद संविधान पर सबसे बड़ा खतरा मंडरा रहा है। संविधान और लोकतंत्र की बुनियाद वोट का अधिकार है। यदि लोगों का मताधिकार छीना जाता है तो यह संविधान की भावना को कमजोर करने जैसा है। इसी अधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस संविधान रक्षा यात्रा निकाल रही है।

उन्होंने बताया कि यात्रा 26 नवंबर को लखनऊ स्थित नेहरू भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर शुरू होगी। इसके बाद यात्रा एनेक्सी भवन होते हुए हजरतगंज पहुंचेगी, जहां डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर इसका समापन होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से निकाली जाएगी। इसमें सिविल सोसाइटी, सामाजिक संगठनों, युवाओं और संविधान में आस्था रखने वाले लोगों को भी आमंत्रित किया गया है।

जिलाध्यक्ष ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर भी सवालठाए। आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर के तीन चरणों में देशभर में 13 करोड़ 39 लाख नाम हटाए गए हैं। उत्तर प्रदेश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों की सूची में 16.77 करोड़ मतदाता हैं, जबकि 17 नवंबर तक विधानसभा मतदाता सूची में 13.58 करोड़ मतदाता दर्ज थे। उन्होंने इसे तीन करोड़ से अधिक मतदाताओं का अंतर बताते हुए सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि संविधान और मताधिकार की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ी जा रही है। उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना', प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम सहित पार्टी के सांसद और विधायक इसकी अगुवाई कर रहे हैं।

प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव राम बहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास, जिला सचिव एवं कार्यालय प्रभारी हेमंत रावत, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पांडे, आरटीआई अध्यक्ष आयुष यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रियांशु त्रिपाठी, सदाशिव पांडेय, आलोक त्रिपाठी, रमेश केशरवानी, राजेश कुमार और विधानसभा सचिव नौसे आलम समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 28 और 29 नवंबर को चलेगा विशेष अभियान

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, पात्र नागरिकों से फार्म-6 भरने की अपील



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत 28 और 29 नवंबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बीएलओ सुबह 10 से शाम चार बजे तक बूथों पर मौजूद रहेंगे। पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम जांचकर छूटे हुए नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 जमा कर सकेंगे।

बुधवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इसमें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की समीक्षा की गई। डीएम ने बताया कि 17 से 24 नवंबर तक जिले में 36,394 फार्म-6, 3,494 फार्म-7 और 6,807 फार्म-8 प्राप्त हुए हैं।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लोगों के फार्म-6 भरवाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6 भर सकते हैं। इसके अलावा एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन भी कर सकते हैं आवेदन

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए संबंधित बूथ के बीएलओ के पास फार्म-6 जमा किया जा सकता है। इसके अलावा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in और ECINET मोबाइल एप के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है। नाम, पता या अन्य प्रविष्टियों में संशोधन, मतदाता पहचान पत्र बदलवाने और दिव्यांग मतदाता के रूप में चिन्हांकन के लिए फार्म-8 भरा जा सकता है।

डीएम ने बताया कि मतदाता सूची का प्रारूप सभी मतदान केंद्रों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय और जिला निर्वाचन कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। इसे ऑनलाइन भी देखा और डाउनलोड किया जा सकता है।

प्राप्त दावे और आपत्तियों की सूचियां भी संबंधित कार्यालयों और मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड पर प्रतिदिन प्रदर्शित की जा रही हैं। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

यातायात माह में चला विशेष चेकिंग अभियान, 390 वाहनों का ई-चालान



सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में यातायात माह के तहत जिलेभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 390 वाहनों का ई-चालान किया।

अभियान के तहत सभी क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख मार्गों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर वाहनों की जांच की। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही चालकों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और तेज रफ्तार से बचने के लिए जागरूक किया गया।

कौशाम्बी पुलिस ने वाहन चालकों से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। पुलिस ने कहा कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है।

बी, सी और डी रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में डीएम नाराज, अगले महीने तक सभी विभागों को ए श्रेणी में लाने का निर्देश



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर खराब रैंकिंग मिलने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने बी, सी और डी श्रेणी में रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही अगले महीने तक सभी विभागों की रैंकिंग ए श्रेणी में लाने को कहा।

बुधवार को संगम सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, विकास और निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम ने पिछड़ा वर्ग, सेतु निगम, उपायुक्त उद्योग, समाज कल्याण और यूपीसीएलडीएफ समेत अन्य विभागों के खराब प्रदर्शन पर जवाब मांगा। कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर यूपीसिडको को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने लोक निर्माण विभाग को गड्ढामुक्त की गई सड़कों की गुणवत्ता जांचने और शेष सड़कों को भी गड्ढामुक्त करने को कहा। 50 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की नियमित समीक्षा और प्रगति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को संसाधन बढ़ाकर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और जारी धनराशि का उपयोग करते हुए परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने को कहा। चेतावनी दी कि समयसीमा के बाद भी काम लंबित मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। पूरी हो चुकी परियोजनाओं को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी पूरी करने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी विभागों को जनकल्याणकारी योजनाओं की नियमित समीक्षा कर पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने और फैमिली आईडी बनाने के काम में तेजी लाने को कहा। बैठक में सीडीओ हर्षिका सिंह, सीएमओ डॉ. एके तिवारी, परियोजना निदेशक भूपेंद्र कुमार सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चालान से बचने के लिए कार पर लगा रखा था पुलिस का लोगो, डैशबोर्ड पर रखी थी टोपी

कर्नलगंज पुलिस ने गलत लेन में पकड़ा, निजी कार पर डॉक्टर का चिह्न और डॉक्टर भी लिखवा रखा था



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यातायात चालान से बचने के लिए निजी कार पर पुलिस का लोगो लगाकर और डैशबोर्ड पर पुलिस की टोपी रखकर चल रहे चालक को कर्नलगंज पुलिस ने पकड़ लिया। जांच में चालक के पुलिस या स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत होने की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार का चालान किया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार को पुलिस क्लब तिराहा, कचहरी रोड के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक गहरे नीले रंग की मारुति कार गलत लेन में चलती मिली। पुलिस ने कार को रोककर जांच की तो उस पर पुलिस का लोगो लगा था और डैशबोर्ड पर पुलिस की पी-कैप रखी थी। कार के पीछे डॉक्टर का लोगो और अंग्रेजी में ह्यउब्डउळडफ्ह्ल भी लिखा था।

पूछताछ में चालक मनोज कुमार यादव पुत्र लाल बहादुर यादव, निवासी ग्राम हरदी, थाना बारा ने बताया कि उसने चालान से बचने के लिए कार पर पुलिस और डॉक्टर से जुड़े प्रतीक चिह्न लगवाए थे। पुलिस ने वाहन संख्या यूपी 70 एचएस 0416 का एमवी एक्ट के तहत चालान किया। प्रयागराज पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सरकारी विभाग में कार्यरत न होने पर निजी वाहनों पर विभागीय लोगो, प्रतीक चिह्न या पहचान दर्शाने वाली सामग्री का अनधिकृत इस्तेमाल न करें। साथ ही यातायात नियमों का पालन करें और गलत दिशा में वाहन न चलाएं।

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में श्रद्धा से मनाई गई गुरु नानक देव की जयंती

शब्द कीर्तन के बाद हुआ विशाल लंगर, डीआईजी ने दिया प्रेम और भाईचारे का संदेश



सबसे तेज प्रयागराज

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पडिला स्थित गुरुद्वारे में बुधवार को गुरु नानक देव जी की 557वीं जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शब्द कीर्तन और पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। इसके बाद विशाल लंगर लगाया गया, जिसमें अधिकारियों, जवानों, कर्मचारियों और उनके परिजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रुप सेंटर के डीआईजी विनय नेगी ने गुरु नानक देव जी के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने समाज को प्रेम, समानता, भाईचारे और मानव सेवा का संदेश दिया। उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत किया जा सकता है।

इस मौके पर उप कमांडेंट राकेश त्रिपाठी, सहायक कमांडेंट शैलेश सिंह, महाराणा वीरेंद्र प्रताप सिंह, प्रवेश शर्मा, मुख्य सेवादार राजिंदर सिंह, परमजीत कौर और सतपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिकारी, जवान, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

तमंचा और दो कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फाफामऊ पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान कुलदीप पासी उर्फ नीरज (22) पुत्र संतोष पासी, निवासी मातादीन का पुरा, थाना फाफामऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को नवजीवन अस्पताल से बेला कछार जाने वाले इंटरलॉकिंग मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से .315 बोर का एक देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्रतापगढ़ के संग्रामगढ़ और प्रयागराज के फाफामऊ थाने में कुल पांच मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मारपीट, जानलेवा हमले, चोरी और आर्म्स एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सौमित्र सिंह, मुकेश कुमार यादव, मुख्य आरक्षी जय प्रकाश यादव तथा आरक्षी राजेश्वर और गौरव गौतम शामिल रहे।

दिव्यांग बच्चों को मिले सहायक उपकरण, खिले चेहरे



सबसे तेज प्रयागराज अजय कुमार

गंगानगर/प्रयागराज। दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और शिक्षा में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उच्च प्राथमिक विद्यालय हथिगहां में दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए गए। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसए और विधायक के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा सिन्हा, शहला वर्मा, रीता सागर एवं मीनाक्षी द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई, सुभाषिनी एवं अर्चना ने दीप प्रज्वलन में सहयोग किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन जयप्रकाश शुक्ल ने किया। आयोजन में राधे कृष्ण, बालेंद्र पांडे, जय सिंह, विनय तिवारी, अनिल पांडे, निर्मला, विवेक, अब्दुल सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन



सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। जगमोहन फाउंडेशन व ग्लोरियस विजन द्वारा ग्राम कोनार अगहुआ में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें 150 लोगों की जांच की गई जिसमें नौ लोगों को आपरेशन हेतु चयनित किया गया। नेत्र चिकित्सक डा० ए० डी० द्विवेदी ने शिविर में आये मरीजों की जांच करने के बाद नौ मरीजों को आपरेशन हेतु चयनित किया। जिन्हें आपरेशन हेतु चिकित्सालय भेजा गया। कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष वाजिद अली अगहुआ कोनार द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष आर्मी ,विशिष्ट अतिथि शाहिद अख्तर खान, विद्याकांत यादव प्रधान अगिलिया, एकलाक हुसैन, अलीम खान, अनिल केसरवानी, गौरी शंकर केसरवानी, एस. के. श्रीवास्तव, सचिन सोनी बी.डी.सी. प्रत्याशी आदि रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत परिजनों में मचा हड़कंप

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर थाना क्षेत्र के लतीफपुर गांव में बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ का शव फांसी पर लटकते मिला तो परिजनों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची फूलपुर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। फूलपुर थाना क्षेत्र के लतीफपुर गांव निवासी पूर्णवासी लाल बिंद उम्र लगभग 54 वर्ष बताया जाता है की इनके तीन पुत्रियां थीं कोई पुत्र नहीं था। तीनो पुत्रियों की शादी हो चुकी है। जिसमे दो पुत्रियां वरुणा बरना मेला देखने आई थी। सुबह जब उठे तो उपरोक्त मृतक अधेड़ पूर्णवासी लाल बिंद का शव उसी के घर के ऊपर अर्धनिर्मित मकान पर बल्ली के सहारे लटकता हुआ मिला। मौके पर पहुंच कर पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोसमार्डम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार मामला संधिग्द बताया जा रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदनों को बैंक समय से निपटाएं : सीडीओ

लंबित आवेदनों पर मुख्य विकास अधिकारी सख्त, लापरवाही बरतने वाले बैंकों पर कार्रवाई की चेतावनी



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने में बैंक अनावश्यक देरी न करें।

लंबित आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित बैंकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने बुधवार को जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक में दिए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में आयोजित बैठक में सीडीओ ने बैंकों की कार्यप्रणाली, ऋण वितरण, क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी रेशियो) और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बैंकवार लंबित आवेदनों, ऋण स्वीकृति और वितरण की स्थिति की जानकारी ली।

सीडीओ ने अधिकारियों से योजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में बैंक बाधक न बनें। सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने संबंधित बैंक अधिकारियों को अपने स्तर पर नियमित समीक्षा कर ऋण वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में आरबीआई के सुधीर कुमार पाण्डेय, उप निदेशक कृषि पवन विश्वकर्मा, उपायुक्त उद्योग शरद टंडन, उपायुक्त एनआरएलएम शमा सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक सुरेन्द्र सांखला समेत विभिन्न बैंकों और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चला वाहन चेकिंग अभियान, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई



राम सिंह यादव सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी, प्रयागराज। डीसीपी यातायात के निर्देश पर बुधवार को अंदावा चौराहे पर यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। उपनिरीक्षक प्रमोद दुबे के नेतृत्व में सुधीर और आशीष कुमार ने वाहनों की जांच की।

इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों के कागजात, हेलमेट और यातायात नियमों के पालन की जांच की गई। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की हिदायत दी।

यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु चलेंगी पांच स्पेशल रेलगाड़ियां

मुरादाबाद, उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बुधवार को बताया कि यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु पांच स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन किया जएगा। सभी ट्रेनें एक-एक फेर लगाएंगी।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 05515 जयनगर-अमृतसर एक तरफा स्पेशल गाड़ी जयनगर से 26 नवंबर को, रेलगाड़ी संख्या 05519 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल एक तरफा स्पेशल गाड़ी सहरसा से 27 नवंबर को, 05599 सहरसा झआनंद विहार टर्मिनल एक तरफा स्पेशल गाड़ी 28 नवंबर को सहरसा से चलेगी।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 05595 सहरसा-अमृतसर एक तरफा (ड स्पेशल गाड़ी 30 नवंबर को सहरसा से और रेलगाड़ी संख्या 05001 बढ़नी - जालंधर सिटी एक तरफा अनारक्षित स्पेशल गाड़ी 26 नवंबर को बढ़नी से संचालित होगी।

योगी सरकार में युवाओं को सरकारी सेवा का अवसर, कनिष्ठ विश्लेषक (खाद्य) के 414 पदों पर अंतिम चयन परिणाम घोषित

लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (वढररउ) ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अंतर्गत कनिष्ठ विश्लेषक (खाद्य) के 414 पदों पर अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग ने चयनित अभ्यर्थियों के अनुक्रमांक की सूची और श्रेणीवार कटऑफ अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

आयोग की ओर से जारी सूचना के तहत, कनिष्ठ विश्लेषक (खाद्य) के कुल 417 पदों पर चयन के लिए विज्ञापन संख्या 04-परीक्षा/2024 के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस भर्ती की लिखित मुख्य परीक्षा 16 फरवरी 2025 को आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा के उपरांत अर्हता एवं अभिलेख परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद आयोग ने 417 विज्ञापित पदों के सापेक्ष 414 अभ्यर्थियों के अंतिम चयन परिणाम को अनुमोदित किया है।

अनारक्षित वर्ग में 168 अभ्यर्थियों का चयन

आयोग की ओर से जारी श्रेणीवार चयन विवरण के अनुसार कुल 414 चयनित अभ्यर्थियों में 168 अनारक्षित वर्ग, 87 अनुसूचित जाति, 04 अनुसूचित जनजाति, 114 अन्य पिछड़ा वर्ग और 41 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थी शामिल हैं। चयन प्रक्रिया में क्षैतिज आरक्षण के प्रावधानों का भी पालन किया गया है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित श्रेणी के लिए विज्ञापित आठ पदों के सापेक्ष चार अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इसी प्रकार सैन्य वियोजित एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के लिए निर्धारित 20 पदों के सापेक्ष चार अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण इन पदों पर मेरिट के क्रम में अन्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

अनुसूचित जनजाति श्रेणी के सात विज्ञापित पदों के सापेक्ष चार अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। शेष तीन पदों को अधियाचनकर्ता विभाग को अग्रसारित किया जाएगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि क्षैतिज आरक्षण के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को उनकी मूल श्रेणी में ही समाहित किया गया है।

18 अभ्यर्थियों का चयन औपबंधिक

आयोग ने स्पष्ट किया है कि अंतिम चयन परिणाम में 18 अभ्यर्थियों को औपबंधिक रूप से शामिल किया गया है।

इनका अंतिम चयन आयोग अथवा अधियाचनकर्ता विभाग के निर्णय के अधीन होगा। इसके अतिरिक्त चयन परिणाम विज्ञापन से संबंधित न्यायालयों में विचाराधीन विशेष अनुज्ञा याचिकाओं, विशेष अपीलों एवं रिट याचिकाओं में पारित होने वाले आदेशों के अधीन रहेगा।

मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

हंडिया पुलिस ने थाने में दी दबिश, गांव में परिजनों के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप



सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हंडिया पुलिस ने मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दो आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर अन्य साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति और उसके परिजनों के साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक, 24 नवंबर को हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुकरा गनेशीपुर गांव में आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर वादी और उसके परिजनों से गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की तहरीर पर हंडिया थाने में मुकदमा संख्या 587/2026 दर्ज किया गया था।

मामले में वांछित अनुज सिंह (22) पुत्र प्रेम बहादुर सिंह और राहुल सिंह (27) पुत्र स्व. विनोद सिंह, निवासी बनपुकरा गनेशीपुर को पुलिस ने बुधवार को हंडिया थाने से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, राहुल सिंह के खिलाफ हंडिया थाने में एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में चौकी प्रभारी सैदाबाद सौरभ पांडेय, कांस्टेबल योगेश कुशवाहा और विवेक कुमार शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की है।

संपादकीय

मार्गदर्शक मंडल: भाजपा का शक्ति संतुलन का खेल

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय जनता पार्टी में पिछले एक दशक से एक सवाल बार-बार उठता रहा है- क्या 75 साल की उम्र के बाद नेताओं को सक्रिय राजनीति से हट जाना चाहिए? बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल के हो गए, पिछले कुछ महीनों से देश में एक बहस चल रही है कि क्या मोदी इस्तीफा देकर मार्गदर्शक मंडल में जाएंगे? जिस तरह से उन्होंने पीएम बनने के बाद पार्टी के बड़े से बड़े नेताओं लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी जैसे दिग्गजों को जबरन मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया था उसी तर्ज पर क्या पीएम मोदी किसी नए व्यक्ति के लिए अपनी कुर्सी छोड़ेंगे? ऐसा लगता नहीं है क्योंकि मोदी सत्ता छोड़ने के मूड में नहीं है, खासकर जब सबकुछ उनके कन्ट्रोल में है तो भला वे क्यों छोड़ देंगे वैसे भी सत्ता का अपना एक मजा होता है पिछले महीने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि एक उम्र के बाद पद छोड़ देना चाहिए, और युवाओं को मौका देना चाहिए मोहन भागवत के बयान के बाद देश में एक विमर्श छिड़ गया कि मोहन भागवत पीएम मोदी को नसीहत दे रहे हैं कि अब आप 75 साल के हो गए हैं अतः अपनी कुर्सी छोड़ दीजिए परंतु विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मोहन भागवत अपने बयान से पलट गए आरएसएस एवं भाजपा में ऐसा कोई नियम नहीं है कि एक उम्र के बाद कुर्सी या पद त्याग देना चाहिए इसका सीधा सा अर्थ ये निकलता है कि पीएम मोदी 17 सितम्बर को 75 साल के हुए हैं, वहीँ मोहन भागवत 11 सितंबर को 75 साल के हो गए हैं तो सीधी सी बात है मोहन भागवत पलट गए क्योंकि मोदी से पहले उन्हें इस्तीफा देना पड़ता, और मोहन भागवत भला अपना पद क्यों छोड़ना चाहेंगे?

गौरतलब है जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया जा रहा था, तब पार्टी के कई बड़े नेता इस फैसले से सहज नहीं थे लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता मोदी के ख?िलाफ थे मोदी को पता था कि अगर इन्हें सरकार में जगह दी गई तो उनकी स्वतंत्रता प्रभावित होगी तभी एक तर्क गढ़ा गया कि 75 साल की उम्र के बाद नेता सक्रिय राजनीति से हट जाएँगे.ह्वभाजपा की ओर से इस नियम का कभी भी औपचारिक रूप से एलान नहीं किया गया यह पार्टी संविधान में भी दर्ज नहीं है, उस वक़्त भाजपा के नेता और प्रवक्ता ऑफ द रिकॉर्ड यह बातें पत्रकारों को बताते थे, इसका एक नैरेटिव बनाया गया था, औपचारिक रूप से कभी कुछ नहीं कहा गया इसके बाद आडवाणी, जोशी एवं दूसरे वरिष्ठ नेताओं को 2014 में एक मार्गदर्शक मंडल का हिस्सा बनाया गया जानकारी के मुताबि?क इसकी आज तक एक भी बैठक नहीं हुई इस नियम को औपचारिक रूप से सबसे पहले आनंदीबेन पटेल ने स्वीकार किया था आनंदीबेन ने साल 2016 में गुजरात की मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दि?या था तब उन्होंने कहा था, ह्लमैं भी नवंबर में 75 साल की होने जा रही हूँ, मैं हमेशा से ही बीजेपी की विचारधारा, सिद्धांत और अनुशासन से प्रेरित हूँ, इसका आज तक पालन करती आई हूँ, पिछले कुछ समय से पार्टी में 75 से ऊपर उम्र के नेता और कार्यकर्ता स्वेच्छा से अपना पद छोड़ रहे हैं, जिससे युवाओं को मौका मिले, यह एक बहुत अच्छी परंपरा है, मेरे भी नवंबर महीने में 75 साल पूरे होने जा रहे हैं बीजेपी का 75 साल वाला नियम असल में एक सॉफ्ट गाइडलाइन था न कि सख़्त प्रावधान मोदी ने इसका इस्तेमाल वरिष्ठ नेताओं को सम्मानजनक तरीके से साइडलाइन करने के लिए किया नजमा हेपतुल्ला और कलराज मिश्र के-?द्रीय कैबिनेट का हि?स-?सा थे, इसके बाद वे गवर्नर बने तब ऐसी चर्चा थी कि? उम्र की वजह से ऐसा हुआ है बीएस येदियुरप्पा ने भी जब कनार्टक का मुख्यमंत्री पद छोड़ा था तब उनकी उम्र 78 साल थी, वहाँ भी कारण उम्र बताया गया

मोहन भागवत एवं पीएम मोदी ने 75 साल की उम्र में नेताओ का मार्गदर्शक मंडल में भेजने का जो नियम बनाया था जाहिर होता है कि अपने सीनियर नेताओं की राजनीतिक परियां तो खत्म करना उदेश्य था साथ ही कोई ऊपर अंकुश न रह जाए और कोई प्रतिद्वंदिता न रह जाए कुलमिलाकर कहा जा सकता है कि 75 की उम्र में मार्गदर्शन मंडल महज एक राजनीतिक हथियार था जिसे बड़ी होशियारी से चलाया गया कुछ महीनों से भाजपा के प्रवक्ताओं ने एक राग अलापना शुरू कर दिया है कि पार्टी के संविधान में ऐसा कुछ नहीं लिखा कि 75 साल की उम्र में नेताओ को रिटायर हो जाना चाहिए इसलिए राजनीति में शुचिता जैसी बातें अब हवा हो गई हैं

त्योहार के अवसर और महंगाई : देश की प्रगति और समस्या

सी ए. डॉ. शंकर अंदानी

भारत विविध संस्कृतियों, परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं का देश है। यहाँ दीपावली, दशहरा, ईद, क्रिसमस, होली, गणेशोत्सव, नवरात्रि तथा अनेक त्योहार सामाजिक एकता, खुशियों और आर्थिक गतिविधियों का प्रतीक हैं। त्योहार केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि व्यापार, रोजगार, पर्यटन, परिवहन, कृषि और छोटे उद्योगों को गति देने का अवसर भी होते हैं। लेकिन त्योहारों के आगमन के साथ बढ़ती महंगाई सामान्य परिवार के बजट पर भारी दबाव डालती है। देश की आर्थिक प्रगति के बीच आम नागरिक की खरीद क्षमता और जीवनयापन की चुनौतियों का विश्लेषण आवश्यक है। भारत में 2014 से 2026 के बीच सड़क, डिजिटल भुगतान, बैंकिंग, परिवहन, बिजली, उद्योग, ऑनलाइन व्यापार और बुनियादी ढाँचे में व्यापक विस्तार हुआ है। बाजारों में ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान, आधुनिक परिवहन और नई व्यापारिक सुविधाओं ने उपभोक्ताओं के लिए अनेक विकल्प उपलब्ध कराए हैं। त्योहारों के समय बाजारों में खरीदारी बढ़ती है, दुकानदारों की बिक्री में वृद्धि होती है, अस्थायी रोजगार मिलता है तथा मिठाई, कपड़ा, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावट और घरेलू सामान के कारोबार में गतिविधियाँ तेज होती हैं। सरकार के जीएसटी संग्रह, डिजिटल लेनदेन और औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उपभोग का योगदान दिखाई देता है। परंतु विकास का वास्तविक मूल्यांकन केवल बाजार की बिक्री, जीडीपी या सरकारी राजस्व से नहीं, बल्कि आम नागरिक की जेब में बची रकम से भी होना चाहिए। त्योहारों के समय दूध, तेल, आटा, चावल, दाल, सब्जियों, मिठाइयों, फल, गैस सिलेंडर, कपड़े और परिवहन के खर्च बढ़ने से गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ जाता है। जिन परिवारों की आय सीमित है, उनके लिए त्योहार खुशी के साथ आर्थिक चिंता भी लेकर आते हैं। महंगाई का प्रभाव विशेष रूप से दैनिक मजदूर, छोटे कर्मचारी, किसान, पेंशनधारक, रिक्शाचालक, छोटे दुकानदार और निम्न आय वाले परिवारों पर अधिक पड़ता है। एक परिवार यदि पूरे महीने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, किराया और परिवहन पर खर्च करता है, तो त्योहारों के लिए अतिरिक्त राशि जुटाना कठिन हो जाता है। कई परिवार उधार, क्रेडिट कार्ड या किश्तों के माध्यम से त्योहार मनाते हैं। खुशी का अवसर कभी-कभी भविष्य की आर्थिक जिम्मेदारी बन जाता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें परिवहन तथा माल ढुलाई लागत को प्रभावित करती हैं। इसका असर खाद्य सामग्री, बाजार में उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ सकता है। घरेलू गैस की कीमत, बिजली बिल तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के खर्च भी परिवारों की बचत को प्रभावित करते हैं। यदि आय की वृद्धि खर्चों की वृद्धि से कम हो, तो नागरिक की वास्तविक क्रय शक्ति कमजोर पड़ती है। यही वह चुनौती है जिस पर आर्थिक नीति निमार्ताओं को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। त्योहारों के अवसर पर व्यापारियों द्वारा विशेष छूट, ऑनलाइन ऑफर, नकद रहित भुगतान और आकर्षक विज्ञापन दिए जाते हैं। इनसे बिक्री बढ़ती है, लेकिन उपभोक्ताओं को सावधानी भी रखनी चाहिए। जरूरत से अधिक खरीदारी, अनावश्यक कर्ज, दिखावे की प्रतिस्पर्धा और महंगे उपहार आर्थिक परेशानी बढ़ा सकते हैं। त्योहारों का उद्देश्य खुशियाँ बाँटना, परिवार से मिलना, समाज में सद्भाव बढ़ाना और जरूरतमंदों की सहायता करना होना चाहिए, न कि आर्थिक दबाव में खरीदारी करना। सरकार की जिम्मेदारी है कि त्योहारों के समय आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करे, जमाखोरी और कालाबाजारी पर नियंत्रण रखे, बाजार में कीमतों की निगरानी करे तथा गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा और सामाजिक सहायता योजनाओं को प्रभावी बनाए। किसान को उचित मूल्य, छोटे व्यापारियों को सरल ऋण, श्रमिकों को बेहतर मजदूरी और आम उपभोक्ता को उचित कीमत मिलना संतुलित अर्थव्यवस्था की पहचान है। भारत की प्रगति तभी सार्थक होगी जब आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

हरियाणा में तबादलों का संकट - शिक्षकों की उम्मीदों पर विराम

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था इस समय गहरे असमंजस और ठहराव के दौर से गुजर रही है। अप्रैल से लेकर अब तक हजारों शिक्षक अपने तबादलों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन नतीजा यह है कि महीनों बाद भी कोई ठोस प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई। सरकार और विभाग ने कई बार आश्वासन दिया कि जल्द ही तबादला ड्राइव चलेगी, लेकिन वास्तविकता यह है कि आज तक न तो मॉडल स्कूल का परिणाम घोषित हुआ और न ही नई तबादला नीति लागू हो सकी। ऐसे में शिक्षकों के मन में असंतोष और धैर्य की सीमाएँ दोनों टूटती नजर आ रही हैं।

हरियाणा में शिक्षकों के तबादले अप्रैल में होने थे, लेकिन अब तक शुरू नहीं हो पाए। सरकार ने पहले कहा था कि सबसे पहले मॉडल स्कूल का परिणाम घोषित किया जाएगा और फिर उसी के आधार पर तबादला ड्राइव चलाई जाएगी, मगर महीनों बीत जाने के बावजूद यह परिणाम जारी नहीं हुआ। नई तबादला नीति बनाने की बात कहकर शिक्षकों को उलझाए रखा गया है, जबकि वह नीति भी अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है। इस देरी से हजारों शिक्षक असमंजस और निराशा में हैं, क्योंकि कई शिक्षक कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और उन्हें समय पर स्थानांतरण से राहत की उम्मीद थी। लगातार वादों और अधूरी तैयारियों ने उनके धैर्य की परीक्षा ले ली है। अब जरूरी है कि सरकार तुरंत मॉडल स्कूल का परिणाम घोषित करे, नई नीति स्पष्ट करे और पूरी पारदर्शिता के साथ तबादला प्रक्रिया को आगे बढ़ाए।

तबादले किसी भी शिक्षक के लिए केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं होते। यह उनके निजी जीवन, पारिवारिक परिस्थितियों और पेशेवर संतुष्टि से गहराई से जुड़े होते हैं। वर्षों से एक ही स्थान पर काम कर रहे शिक्षकों को बदलाव की उम्मीद रहती है, वहीं दूरदराज क्षेत्रों में तैनात शिक्षकों को अपने परिवार और बच्चों से जुड़ने की चाह होती है। जब यह उम्मीदें लगातार अधूरी रह जाती हैं, तो उसका असर उनके मनोबल और कार्यक्षमता दोनों पर पड़ता है।

अप्रैल में सरकार ने दावा किया था कि सबसे पहले मॉडल स्कूल का परिणाम घोषित किया जाएगा और



उसके आधार पर तबादलों की प्रक्रिया को दिशा दी जाएगी। लेकिन यह परिणाम महीनों से लटका हुआ है। इसके साथ ही सरकार ने नई तबादला नीति बनाने की घोषणा की, ताकि प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष हो सके। यह घोषणा सुनने में आकर्षक जरूर थी, लेकिन जब नीति महीनों तक अधर में ही पड़ी रहे और शिक्षकों को उसका कोई स्पष्ट स्वरूप न दिखे, तो यह केवल समय खींचने का बहाना प्रतीत होता है।

इस पूरी देरी का सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। जहाँ कुछ स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक मौजूद हैं, वहीं कई ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में वर्षों से पद खाली पड़े हैं। नतीजा यह है कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और असमानता बढ़ रही है। मॉडल स्कूल परियोजना, जिसे शिक्षा सुधार का प्रतीक बताया गया था, उसका परिणाम ही न आना सरकार की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है।

शिक्षक लगातार धैर्य बनाए हुए हैं, लेकिन अब उनकी आवाजें तेज होने लगी हैं। संघ और संगठन यह सवाल पूछ रहे हैं कि जब पुरानी नीति के तहत भी प्रक्रिया पूरी हो सकती थी, तो उसे बीच में क्यों रोका गया। नई नीति का हवाला देकर महीनों तक शिक्षकों को उलझाए रखना क्या केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नहीं दशार्ता? शिक्षकों का मानना है कि सरकार को यदि सचमुच पारदर्शिता चाहिए तो नीति को सार्वजनिक करना चाहिए। यदि वह तैयार नहीं है तो पुरानी नीति के तहत प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि कम से कम शिक्षकों को राहत मिल सके।

हरियाणा जैसे राज्य में, जहाँ शिक्षा सुधार और मॉडल स्कूलों की बातें बड़े स्तर पर की जाती रही हैं, वहाँ आज स्थिति यह है कि शिक्षकों को अपने ही भविष्य का पता नहीं। यह केवल शिक्षकों का संकट नहीं है, बल्कि छात्रों और पूरी शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न है। शिक्षक असंतुष्ट और परेशान रहेंगे तो वे बच्चों को पूरी निष्ठा से कैसे पढ़ा पाएंगे?

अब जबकि सितंबर भी समाप्ति की ओर है, सरकार को और देरी नहीं करनी चाहिए। सबसे पहले मॉडल स्कूल का परिणाम घोषित करना जरूरी है, ताकि शिक्षकों को स्पष्टता मिल सके। इसके बाद नई नीति को सार्वजनिक करना चाहिए और यदि वह अधूरी है तो पुरानी नीति के तहत ही तबादला प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि पूरी प्रक्रिया डिजिटल और समयबद्ध तरीके से हो, ताकि किसी प्रकार का पक्षपात या अनुशंसा की गुंजाइश न रहे।

अंततः यह समझना होगा कि शिक्षक केवल सरकारी कर्मचारी नहीं बल्कि समाज की रीढ़ हैं। उन्हें महीनों तक अनिश्चितता और प्रतीक्षा में रखना उनके साथ अन्याय है और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। यदि सरकार सचमुच शिक्षा सुधार चाहती है, तो उसे तुरंत ठोस और पारदर्शी कदम उठाने होंगे। हरियाणा के शिक्षकों का धैर्य अब अंत की ओर है, और यह समय है कि सरकार वादों और घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करे। यही एकमात्र रास्ता है जो शिक्षकों को न्याय देगा और हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को संतुलन और मजबूती प्रदान करेगा।

बिहार में महागठबंधन में पढ़ सकती है दरार, कई है कारण

अशोक भाटिया

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन में आर जे डी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे तथा मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर खुली खुली टकराहट हो गई है। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 243 सीटों वाले चुनाव से ठीक पहले ये दरारें विपक्षी एकता पर सवाल खड़ी कर रही हैं, जबकि सत्ताधारी मजबूत स्थिति में है।

सबसे ताजा घटना औरंगाबाद जिले के कुटुंबा विधानसभा क्षेत्र में घटी, जहां बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने महागठबंधन के कार्यकताओं की बैठक बुलाई। लेकिन आर जे डी के ब्लॉक और जिला अध्यक्षों ने साथ ही पूर्व विधायक सुरेश पासवान ने बिना वजह बताए इसका बहिष्कार कर दिया। आर जे डी नेताओं ने सोमवार को पासवान के नेतृत्व में अपनी अलग रणनीति बैठक आयोजित की, जिसमें चुनावी योजनाओं पर चर्चा हुई। पासवान, जो 2005 में आर जे डी से कुटुंबा जीत चुके हैं और तत्कालीन आर जे डी सरकार में मंत्री रह चुके हैं, ने कार्यकताओं को एकजुट करने का प्रयास किया। यह घटना गठबंधन में बढ़ती असहमति को उजागर करती है।

वैसे तो विवाद के कई कारण है उनमें कई कारण है । पहला विवाद की जड़ सीएम पद के उम्मीदवार को लेकर है। पिछले सप्ताह ऐ आइ सी सी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का सीएम फेस बिहार की जनता तय करेगी। यह बयान आर जे डी को चुभ गया, जो तेजस्वी प्रसाद यादव को गठबंधन का चेहरा बनाने पर अड़ा है। तेजस्वी, विधानसभा में विपक्ष के नेता, खुद को सीएम दावेदार बताते हुए नीतीश कुमार को दुबला-पतलासी एम और दुबारासी एम कहकर आलोचना कर रहे हैं। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे कांग्रेसी नेताओं के सामने भी वे ऐसा कह चुके हैं।इस पर तेजस्वी ने 13 सितंबर को मुजफ्फरपुर के कांटी में रैली में कहा, इस बार तेजस्वी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। कांटी, मुजफ्फरपुर, गायघाट–हर जगह से। सबको अपील है कि तेजस्वी को वोट दो, बिहार को आगे ले जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, हम लौटेंगे। याद रखो, तेजस्वी सभी 243 सीटों पर मैदान में होगा। राजनीतिक विश्लेषक इसे गठबंधन पर दबाव बनाने और आर जे डी आधार मजबूत करने की रणनीति मानते हैं।

कांग्रेस की ओर से एन एस यू आइ प्रभारी और युवा चेहरा कन्हैया कुमार ने 9 सितंबर को पटना में मीडिया सम्मेलन में कहा, हमें 70 सीटों तक क्यों सीमित कर रहे हो? हम सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवार का फैसला पार्टी लेगी, लेकिन गठबंधन सभी सीटों पर लड़ेगा। यह बयान सीट बंटवारे पर कांग्रेस की मांग को दशार्ता है, जो 2020 की तरह 60-70 या इससे अधिक सीटें चाहती है।

विवाद की जड़ें राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा से भी जुड़ी हैं, जहां आर जे डी को किनारे लगने का अहसास हुआ। कांग्रेस



अब दूसरा वायदा निभाने को तैयार नहीं। सूत्रों के अनुसार, अगर सीटें कम मिलीं तो डिप्टी सीएम पद की मांग कर रही है, जो विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश साहनी भी दोहरा रहे हैं।

अन्य सहयोगी भी चुनौती दे रहे हैं। सी पी आइ त्र एम् एल)लिबरेशन ने 2020 में 19 सीटों पर 12 जीतीं, अब 40-45 चाहती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति कुमार पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी आर जे डी से बातचीत में हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन जो पिछले चुनाव में 5 सीटें जीती, गठबंधन में शामिल होने की कोशिश कर रही है। 6 सितंबर को तेजस्वी के आवास पर हुई बैठक में आर एल जे पी औरजे एम एल को इंडिया ब्लॉक में शामिल करने पर सहमति बनी, लेकिन आर जे डी - कांग्रेस को कम सीटें मिलेंगी। 2020 में महागठबंधन को कुल 110 सीटें मिलीं (आर जे डी - 75, कांग्रेस-19), जबकि एन डी ए को 125। अब नए सहयोगियों से फ्रैगमेंटेशन बढ़ा है।

इससे पहले, महागठबंधन में दरार की अटकलें तब और तेज हो गईं जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक दिन पहले वामपंथी दलों (लेफ्ट) की तुलना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से कर दी थी। इसपर माकपा नेता ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।माकपा महासचिव एमए बेबी ने राहुल गांधी के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि यह बेकार बयान था और ऐसा नहीं करना चाहिए था। माकपा महासचिव ने कहा कि वे अक्सर विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हैं, लेकिन कभी भी उनकी तुलना भाजपा से नहीं की।उन्होने कहा कि राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा की तुलना की। यह बयान सही नहीं था और विपक्ष के नेता को इससे बचना चाहिए।

दरअसल, राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरएसएस और माकपा के बारे में कहा था कि दोनों ही सहानुभूति को नहीं समझते। उन्होंने केरल के पुथुपल्ली में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को श्रद्धांजलि देते हुए यह बात कही।कांग्रेस के दो बार मुख्यमंत्री रहे ओमन चांडी की दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के दौरान राहुल भाषण दे रहे थे। इस दौरान, उन्होंने प्रदेश में सत्तारूढ़ माकपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि नेताओं को जनता की कोई परवाह नहीं है।

हालांकि, राहुल के बयान पर वामपंथी नेताओं ने तुरंत निंदा नहीं की।बाद में पत्रकार से राज्यसभा सांसद बने जॉन ब्रिटास ने सोशल मीडिया पर तीखा हमला बोला। ब्रिटास ने लिखा कि कांग्रेस राहुल गांधी को राजनीतिक रूप से नासमझ बनाए रखने पर तुली हुई है।ब्रिटास ने उन्होंने यह भी कहा कि विडंबना यह है कि राहुल गांधी आरएसएस के बारे में जो कुछ भी जानते हैं, वह शायद हमारे दिवंगत नेता सीताराम येचुरी से आया है।

बताया जाता है कि 2025 की शुरूआत से ही राहुल गांधी के करीब करीब हर दौरे में एक बात कॉमन नजर आती है। आरजेडी के मुकाबले कांग्रेस को श्रेष्ठ बताना। जैसे लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी क्षेत्रीय दलों की विचारधारा की बात करते थे। कहते थे, क्षेत्रीय दलों के पास कोई विचारधारा नहीं है। तब अखिलेश यादव निशाने पर थे, और अब तेजस्वी यादव हैं। अखिलेश यादव ने तब आंख भी दिखाई थी, शायद तेजस्वी यादव भी अब वैसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं।चुनाव तो राहुल गांधी महागठबंधन के साथ ही लड़ने की करते हैं, लेकिन हर कदम पर लगता है जैसे कांग्रेस अकेले मैदान में उतरने जा रही हो। तेजस्वी यादव का बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने की बात करना भी, राहुल गांधी के व्यवहार का जवाब ही लगती है।

गौरतलब है कि बिहार में हुए रकफ यानी विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ ही इंडिया ब्लॉक के बैनर तले वोटर अधिकार यात्रा निकाला जाना तय हुआ, लेकिन राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा को भी भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा जैसा बना देने की कोशिश की। फर्क बस यही था कि वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी के साथ तेजस्वी यादव और बिहार महागठबंधन के और भी नेता शामिल थे। फिर भी ऐसा लगा जैसे राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा को हाइजैक कर लिया हो। पूरी यात्रा में राहुल गांधी आगे आगे और तेजस्वी यादव पीछे पीछे नजर आए। कहां प्रशांत किशोर जैसे नेता कांग्रेस को लालू परिवार की पिछलग्गू पार्टी कहा करते थे, और कहां वोटर अधिकार यात्रा में लगने लगा जैसे आरजेडी ही कांग्रेस की पिछलग्गू बन गई हो।

वैसे तेजस्वी यादव की तरफ से तो राहुल गांधी का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए भी प्रस्तावित कर दिया गया, लेकिन राहुल गांधी पूरी तरह टाल गए। बल्कि, राहुल गांधी का जवाब सुनकर तो ऐसा लगा जैसे वो चाहते ही न हों कि तेजस्वी को बिहार में विपक्ष की तरफ से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया जाए। राहुल गांधी के बयान में जो कसर बाकी रह गई थी, कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने पूरी कर दी।

दिव्यांगजन की आवाज: मुख्यधारा से जुड़ने की पुकार

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और समावेशिता मानी जाती है। संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, गरिमा और अवसर की गारंटी दी है। परन्तु जब हम समाज के उस वर्ग की ओर देखते हैं, जिन्हें दिव्यांगजन कहा जाता है, तो यह गारंटी अक्सर खोखली दिखाई देती है। देश की जनगणना और हालिया सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि करोड़ों दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, यातायात, मीडिया और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं। संवैधानिक प्रावधान और कानून मौजूद हैं, परन्तु जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति इस सच्चाई को बयान करती है कि वे अब भी अदृश्य नागरिकों की तरह जीवन जीने को विवश हैं।

समस्या केवल भौतिक अवरोधों की नहीं है, बल्कि मानसिकता और दृष्टिकोण की भी है। समाज का बड़ा हिस्सा अब भी दिव्यांगता को दया, बोझ या त्रासदी की दृष्टि से देखता है। यह सोच दिव्यांगजन की क्षमताओं और संभावनाओं को नकार देती है। उन्हें बराबरी का अवसर देने के बजाय या तो दया का पात्र बना दिया जाता है या हंसी का विषय। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन ने भी लंबे समय तक इन्हीं रूढ़ियों को दोहराया है। हालांकि अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, परन्तु यह बदलाव बहुत धीमा और सीमित है।

भारतीय न्यायपालिका ने कई बार दिव्यांगजन की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या हास्य के नाम पर किसी भी समुदाय की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में दिए गए फैसलों में मीडिया और मनोरंजन उद्योग को चेताया गया कि वे दिव्यांगजन को मजाक या दया का पात्र न बनाएं, बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करें। इसके बावजूद समाज में गहरे जमे पूर्वाग्रह अब भी मौजूद हैं।

वास्तविक चुनौती केवल कानूनी संरक्षण से पूरी नहीं होती। समस्या यह है कि कानून और नीतियाँ लागू करने वाली संस्थाओं में पर्याप्त संवेदनशीलता और दृढ़ता का अभाव है। उदाहरण के लिए, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 ने शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में उनके लिए आरक्षण और सुविधाओं की गारंटी दी। परन्तु स्कूलों और कॉलेजों की इमारतें अब भी सीढ़ियों से भरी हैं, सरकारी दफ्तरों में व्हीलचेयर के लिए जगह नहीं है, और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अब भी दृष्टिबाधित या श्रवणबाधित लोगों के लिए आवश्यक विकल्प उपलब्ध नहीं कराए जाते।

दिव्यांगजन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें सक्षम नागरिक के बजाय निर्भर नागरिक मान लिया गया है। यह सोच उन्हें समाज की मुख्यधारा से दूर कर देती है।



जबकि सच्चाई यह है कि अवसर और सुविधा मिलने पर दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता साबित कर सकते हैं। खेल जगत में पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इसका प्रमाण हैं। शिक्षा और साहित्य से लेकर प्रशासन और विज्ञान तक दिव्यांगजन ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया है। समस्या क्षमता की नहीं, बल्कि अवसर और दृष्टिकोण की है।

यदि समाज सचमुच समावेशी बनना चाहता है, तो सबसे पहले उसकी सोच बदलनी होगी। दिव्यांगजन को दया या सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है, उन्हें बराबरी के अधिकार और अवसर चाहिए। स्कूलों में बचपन से ही बच्चों को यह सिखाना होगा कि विविधता ही समाज की ताकत है। मीडिया और सिनेमा को जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे दिव्यांगता को केवल दुर्बलता के रूप में न दिखाएं, बल्कि उसे साहस, आत्मविश्वास और मानवीय गरिमा से जोड़कर पेश करें।

सार्वजनिक ढांचे को दिव्यांगजन की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना सबसे महत्वपूर्ण कदम है। मेट्रो स्टेशन, रेलवे प्लेटफार्म, बस अड्डे, अस्पताल, सरकारी कार्यालय, पार्क और शैक्षणिक संस्थान तब तक समावेशी नहीं कहे जा सकते, जब तक वे हर व्यक्ति के लिए सुलभ न हों। तकनीकी प्रगति इस दिशा में बहुत मददगार हो सकती है। डिज़िटल ऐप्स में वॉइस असिस्टेंट, स्क्रीन रीडर और सांकेतिक भाषा की सुविधाएँ जोड़कर हम लाखों दिव्यांगजन को ऑनलाइन शिक्षा और रोजगार से जोड़ सकते हैं।

समानता की इस लड़ाई में सरकार और समाज दोनों की साझी भूमिका है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिव्यांगजन के लिए बनाए गए कानून केवल कागजी दस्तावेज बनकर न रह जाएँ।

उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र बने। स्थानीय निकायों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक निर्णय प्रक्रिया में दिव्यांगजन की भागीदारी हो। उनकी जरूरतों और सुझावों को सुने बिना कोई नीति या योजना पूरी नहीं हो सकती।

वहीं समाज की भूमिका और भी बड़ी है। हर व्यक्ति को अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दिव्यांगजन सम्मान और बराबरी के साथ जी सकें। सार्वजनिक कार्यक्रमों, चुनावी रैलियों और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी भागीदारी बढ़े। यह तभी संभव है जब हम उन्हें दया नहीं, अधिकार का दर्जा देंगे।

रायबरेली-अमेठी सहित इन सीटों पर फंसा कांग्रेस-सपा गठबंधन का पेंच, आज हो सकता है बड़ा फैसला

लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा को चुनौती देने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस गठबंधन पर मुहर लग गई, लेकिन सीटों के बंटवारे का गणित अभी सुलझा नहीं है। दिल्ली में दोनों दलों के बीच सोमवार को हुई पहली औपचारिक बैठक 15 मिनट में खत्म हो गई।

कांग्रेस ने 181 सीटों की मांग को 130 तक समेट दिया। हालांकि, 60 मजबूत सीटों को लेकर दावेदारी पर अड़ी रही। अमेठी और रायबरेली की सभी विधानसभा सीटें इसमें शामिल हैं। वहीं, सपा का जोर जीतने की क्षमता पर रहा। दोनों पक्षों ने पहली बैठक को सकारात्मक बताया और अगले दो से चार दिनों में समझौता होने की उम्मीद जताई।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई बैठक में सपा के



राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद राजीव राय और इकरा चौधरी शामिल हुए। कांग्रेस की ओर से प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी ने बात की।

सपा नेताओं ने सूची पर विचार कर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से विमर्श के बाद जवाब देने की बात कही। सपा की ओर से करीब 55 सीटों की सूची तैयार की गई थी। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई है।

2024 बनाम 2022, दोनों के अपने-अपने तर्क

कांग्रेस अपनी बड़ी दावेदारी का आधार 2024 के लोकसभा चुनाव को बना रही है। तब सपा के साथ गठबंधन में उसने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और छह पर जीत हासिल की। उसका वोट प्रतिशत 9.46 रहा। कांग्रेस का तर्क है कि वह गठबंधन में दलित, ब्राह्मण और अति पिछड़े वर्गों के मतदाताओं को जोड़ सकती है। पार्टी हर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी और प्रतिनिधित्व चाहती है।

वहीं, सपा विधानसभा चुनाव के पुराने प्रदर्शन को आधार बना रही है। 2022 में कांग्रेस ने अकेले 399 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत सिर्फ दो पर मिली। उसका वोट प्रतिशत 2.33 रहा और 387 सीटों पर जमानत जब्त हुई। 2017 में सपा के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर केवल सात सीटें जीत पाई थी।

सपा का तर्क है कि 2024 की सफलता गठबंधन की साझा उपलब्धि थी। इसे कांग्रेस की अकेले की ताकत नहीं माना जा सकता।

अमेठी-रायबरेली पर खींचतान की गुंजाइश

कांग्रेस की मांग में अमेठी और रायबरेली की सभी दस विधानसभा सीटें हैं। लेकिन 2022 में दोनों जिलों की दस सीटों में छह सपा और चार भाजपा ने जीती थीं। कांग्रेस यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

हालांकि, 2024 के राज्यसभा चुनाव में कुछ सपा विधायकों की क्रॉस वोटिंग और बदले राजनीतिक समीकरणों के चलते कांग्रेस इन क्षेत्रों में अपनी दावेदारी की गुंजाइश देख रही है। 403 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के फिलहाल दो विधायक हैं, जबकि सपा के पास 111 सीटें हैं।

काशी तमिल संगमम् 5.0 : मेंहदी और पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी तमिल संगमम् 5.0 के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के विश्वनाथ मंदिर परिसर में मेंहदी एवं पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा के साथ भारतीय कला एवं साहित्य के प्रति रुचि का प्रदर्शन किया।

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने आकर्षक और कलात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी हुनर का परिचय दिया।

इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने मेंहदी डिजाइनों के जरिए काशी तमिल संगमम् 5.0 का संदेश भी प्रसारित किया और लोगों को आयोजन में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का समन्वयन विजय भगत ने



किया।

इसके बाद तिरुक्कुरल पढ़ें एवं सीखें विषय पर पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य तमिल साहित्य के महान ग्रंथ तिरुक्कुरल में निहित शिक्षाओं, नैतिक मूल्यों और जीवन-दर्शन को रचनात्मक माध्यम से प्रस्तुत करना था। प्रतिभागियों ने आकर्षक पोस्टरों के जरिए तिरुक्कुरल के विचारों और तमिल साहित्य की समृद्ध परंपरा को अभिव्यक्त किया। इस प्रतियोगिता का समन्वयन साहेब राम टुडू ने किया।

प्रतियोगिताओं में शामिल विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन गतिविधियों में भाग लेना उनके लिए नया और रोचक अनुभव रहा। इसके माध्यम से उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने के साथ ही पोस्टरों के जरिए तिरुक्कुरल की शिक्षाओं और विचारों को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने इन आयोजनों को तमिल साहित्य, संस्कृति और उसकी समृद्ध विरासत से परिचित होने का उपयोगी माध्यम बताया।

वहीं, सोमवार शाम बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें भक्ति संगीत के माध्यम से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण की झलक देखने को मिली।

कार्यकर्ताओं की दम पर भाजपा 2027 का चुनाव एकतरफा जीतेगी : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनता के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव एकतरफा जीतेगी। विकास और राष्ट्रवाद के एजेंडे पर भाजपा लगातार तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाएगी। यह बातें जिले के प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं।



उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के दम पर ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में सभी कार्यकताओं को अभी से जुटना होगा। जनता के बीच जाकर विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करें, क्योंकि विपक्ष के पास जनता का विश्वास जीतने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है।

स्वतंत्र देव सिंह ने मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने मंडलों के बूथ अध्यक्षों और बूथ समितियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें।

भाजपा के कार्यकर्ता पूरे वर्ष जनता के बीच रहकर काम करते हैं। इसी संपर्क और संवाद को और मजबूत करने की जरूरत है।

मतदाता जोड़ो अभियान पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बूथ स्तर पर घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें। नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के साथ छूटे हुए मतदाताओं को भी मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए पूरी मेहनत से काम करें।

पीएम स्वनिधि योजना में प्रयागराज को देश में पहला स्थान, महापौर गणेश केसरवानी ने टीम को दी बधाई

प्रयागराज।

पीएम स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में प्रयागराज ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। नगर निकाय श्रेणी में नगर निगम प्रयागराज को पीएम स्वनिधि सम्मान पुरस्कार समारोह-2026 में भारत में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि पर सोमवार को महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए



कहा कि यह सम्मान केवल नगर निगम की उपलब्धि नहीं, बल्कि शहर के पथ विक्रेताओं के परिश्रम, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी सम्मान है। उन्होंने नगर निगम, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) और योजना से जुड़ी पूरी टीम को बधाई दी।

भारत सरकार की ओर से 20 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नगर निगम प्रयागराज को यह पुरस्कार प्रदान किया।

महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिल रहा है।

हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला डिलीवरी बॉय का शव

कानपुर।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हॉस्टल के एक कमरे में डिलीवरी बॉय का शव फंदे से लटका मिला। शव कई दिन पुराना होने के कारण बुरी तरह सड़ चुका था। कमरे से बदबू आने पर अन्य छात्रों ने हॉस्टल मालिक को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो युवक का शव मिला। कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसमें लिखा था कि 'मरना तो एक दिन सबको है, इसलिए अच्छे कर्म करते रहिए।'

पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान बरेली के नौगवां निवासी केशव वर्मा (25) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, केशव 17 अक्टूबर को कल्याणपुर कला स्थित अवनीश यादव बॉयज हॉस्टल में रहने आया था। उसे हॉस्टल की दूसरी मंजिल पर कमरा दिया गया था। वहां रहने वाले छात्रों ने उसे आखिरी बार 19 नवंबर को देखा था। सोमवार सुबह कमरे से तेज दुर्गंध आने लगी। छात्रों ने दरवाजा खटखटाकर आवाज लगाई, लेकिन भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद हॉस्टल मालिक को सूचना दी गई।

मृतक के पिता गोपाल वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह फिलहाल परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में रहते हैं और वहां रेहड़ी लगाते हैं। परिवार में पत्नी कमलेश, बेटी लक्ष्मी और छोटा बेटा कार्तिक हैं। केशव ने आईटीआई की पढ़ाई की थी। वह एक ऑटोमोबाइल कंपनी में नौकरी मिलने की बात कहकर कानपुर आया था।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। केशव की मां कमलेश और बहन लक्ष्मी दवा लेने के सिलसिले में लखनऊ आई हुई हैं। सूचना मिलने के बाद वे पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच रही हैं।

थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश घायल

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना दादरी पुलिस ने सोमवार की देर रात को एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उक्त बदमाश के पैर में लगी है।

पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि थाना दादरी पुलिस सोमवार की देर रात को बोड़ाकी गांव के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो वे वहां से भाग निकले। पीछा करके पुलिस ने उन्हें घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लोकेश पुत्र रामकुमार उम्र 23 वर्ष निवासी जनपद बुलंदशहर के पैर में लगी है। इसका एक अन्य साथी मौके से भाग गया। उक्त बदमाश के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, विभिन्न जगहों से लूटे हुए 9 मोबाइल फोन, चोरी की 5 मोटरसाइकिल, चोरी के चांदी के सिक्के आदि बरामद किया है। यह बदमाश अपने साथियों के संग मिलकर एनसीआर में लूटपाट और चोरी की वारदातें करता है। इसके खिलाफ पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं।

बीएलडब्ल्यू परिसर में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरायी स्कूटी, किशोर की मौत

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंडुआडीह थाना क्षेत्र स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) परिसर में मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। स्कूटी से जा रहा किशोर अचानक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और उसकी स्कूटी डिवाइडर से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल किशोर को बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, चितईपुर थाना क्षेत्र के नेवादा स्थित कैलाशपुरी कॉलोनी निवासी अभिषेक त्रिपाठी का पुत्र अंजनेय त्रिपाठी मंगलवार सुबह करीब पांच बजे स्कूटी (यूपी 65 ईबी 5985) से कहीं जा रहा था।

विभिन्न सड़क हादसों में तीन की मौत

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में बीती रात को तीन लोगों की मौत हो गई है। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक अमित खारी ने बताया कि आज सुबह को अवनीश गोस्वामी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 23 नवंबर को उनकी पत्नी खुशी भारद्वाज (24) ग्रेटर नोएडा स्कूटी पर सवार होकर जा रही थी। सेक्टर 125 के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया।

बहराइच में हवाई हमले का अलर्ट मिलते ही बंद हुई बिजली, अंधेरे में शुरू हुआ जिंदगी बचाने का ऑपरेशन

बहराइच।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में युद्ध जैसे हालात या हवाई हमले की आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने रविवार शाम को पुलिस लाइन ग्राउंड में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान सायरन बजते ही पूरे परिसर की बिजली बंद कर दी गई। देखते ही देखते अंधेरा छा गया और माहौल को आपातकालीन स्थिति जैसा बना दिया गया।

अभ्यास के जरिए परखा गया कि अचानक हवाई हमले या किसी बड़े खतरे की स्थिति में नागरिकों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच किस तरह समन्वय स्थापित कर



राहत एवं बचाव कार्य किया जाएगा।

मॉक ड्रिल के दौरान खतरे का संकेत देने के लिए सायरन बजाया गया। इसके तत्काल बाद पुलिस लाइन परिसर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। अभ्यास के तहत धमाकों और आपात स्थिति जैसा माहौल तैयार किया गया। इसमें कुछ लोगों के घायल होने का दृश्य भी दिखाया गया। इसका उद्देश्य यह परखना था कि सीमित संसाधनों और अंधेरे के बीच राहत एवं बचाव दल कितनी तेजी से कार्रवाई कर सकते हैं।

ब्लैकआउट होते ही सिविल डिफेंस, पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों ने मोर्चा संभाल लिया। टीमों ने अंधेरे में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। पूरे अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों के बीच तालमेल और त्वरित कार्रवाई की क्षमता का परीक्षण किया गया।

एडीएम अरुण कुमार ने जवानों और वहां मौजूद लोगों को आपात स्थिति में सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लैकआउट के दौरान घरों और प्रतिष्ठानों की लाइटें बंद रखनी चाहिए। खिड़कियों को पूरी तरह ढकना चाहिए, ताकि बाहर रोशनी न दिखाई दे। साथ ही किसी भी खतरे की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर शरण लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य बाहरी हमले या किसी बड़ी आपदा के समय सुरक्षा एवं राहत से जुड़े विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को परखना था। ऐसे अभ्यास से आपात स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

रामायण फिल्म में रावण को शोषितों का उद्धारक बताना हिंदू जनमानस की भावनाओं पर प्रहार : मिलिंद परांडे

कानपुर।

रामायण फिल्म में महर्षि वाल्मीकि की मूल कथा के साथ छेड़छाड़ कर काल्पनिक घटनाएं जोड़ने और महत्वपूर्ण प्रसंगों को हटाने से हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। फिल्म में भगवान राम के चरित्र को हल्केपन से दिखाने और रावण का महिमामंडन करने का प्रयास किया गया है। इस फिल्म का सेंसर प्रमाणपत्र निरस्त होना चाहिए। यह बातें सोमवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित समारोह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन



महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहीं।

उन्होंने कहा कि फिल्म के जरिए एक अरब से अधिक हिंदू रामभक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अहिल्या उद्धार, निषादराज गुह्य की मित्रता और केवट की भक्ति जैसे प्रसंग भगवान राम के जीवन में सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं, लेकिन फिल्म में इनका जिक्र नहीं किया गया है। ऋषि-मुनियों की रक्षा और उनकी साधना में बाधा डालने वाले राक्षसों के उन्मूलन के लिए भगवान राम के अभियान को व्यक्तिगत प्रतिशोध के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया है। वहीं, अहंकारी और अत्याचारी रावण को शोषितों का उद्धारक बताना हिंदू जनमानस की भावनाओं पर सीधा प्रहार है।

मिलिंद परांडे ने कहा कि राम कथा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए मयार्दाओं का आदर्श प्रस्तुत करती है।

विभिन्न जगहों पर चार लोगों के साथ लूटपाट

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर बेखौफ बदमाशों ने चार लोगों के साथ लूटपाट की। बदमाश मोबाइल फोन, नगदी, बैग आदि लूटकर फरार हो गए। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर -113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को मधुरिमा चोपड़ा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सेक्टर 77 स्थित एक सोसाइटी में रहती है। पीड़िता के अनुसार बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बीती रात को उनका कीमती मोबाइल फोन लूट लिया।



वह अपने घर से सेक्टर 75 की तरफ जा रही थी तभी यह घटना हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को संजीव ने थाना बिसरख में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर बीती रात अपनी दूकान से घर की तरफ जा रहे थे।

) सिलेंडर मे आग लगने से दो लोगों की मौत, आपूर्तिकर्ता कंपनी और एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के थाना जेवर क्षेत्र स्थित ग्राम दयानतपुर में बीती रात को रसोई गैस के सिलेंडर में रिसाव के चलते लगी आग और सिलेंडर फटने से हुई दो लोगों की मौत और दो लोगों के गंभीर रूप से झुलसने के मामले में पुलिस ने गैस आपूर्तिकर्ता कंपनी और गैस एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम दयानतपुर के रहने वाले कुशल पाल सिंह ने आज रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 23 नवंबर 2026 को ग्राम दयानतपुर में



एलपीजी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लगी, तथा गैस सिलेंडर फट गया। इस घटना में वीरपाल सिंह (56) उनके पुत्र अभिषेक (24) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि अभिषेक की पत्नी काजल एवं उसका दो वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गए। उन्होंने आरोप लगाया है कि गैस सिलेंडर की गुणवत्ता, वाल्व, सील, रिपेयरिंग एवं सुरक्षा के मानकों के अनुपालन में लापरवाही की आशंका है। गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी एवं संबंधित एजेंसी का दायित्व है कि उपभोक्ताओं को पूर्णत सुरक्षित एवं निर्धारित मांगों के अनुरूप सिलेंडर उपलब्ध कराए। उन्होंने इस मामले में गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी, संबंधित गैस एजेंसी एवं जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125,287 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि आम नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। डीसीपी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ दिन बाद थी बेटी की शादी

कुशल पाल के अनुसार जिस घर में यह घटना हुई है उस घर में आठ दिन बाद बेटी की शादी थी। शादी के लिए घर में 23 एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे। गैस सिलेंडर में रिसाव हो रहा था। इसी बीच बिजली की तार में स्पार्किंग हुई और आग लग गई। आग की चपेट में रखा एक अन्य सिलेंडर भी आ गया तथा दोनों सिलेंडर फट गए। घटना की सूचना पर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़ा तथा घर में प्रवेश कर आग बुझाने का प्रयास किया।

कार्तिक पूर्णिमा पर गोमती और सई नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को गोमती और सई नदी के विभिन्न घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। सुबह भोर से ही स्नानार्थियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और घाटों के आसपास स्थित मंदिरों में दर्शन-पूजन कर ब्राह्मणों एवं जरूरतमंदों को दान किया।

सई और गोमती नदी के संगम स्थल राजेपुर त्रिमुहानी पर सबसे अधिक भीड़ रही। सूरज घाट और सिरकोनी ब्लॉक स्थित इस संगम पर करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने रामेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन और जलाभिषेक किया। यहां लगे मेले में पुरुषों ने प्रसिद्ध रेवड़ा खरीदा, महिलाओं ने श्रृंगार सामग्री और बच्चों ने खिलौनों की खरीदारी की। झूले और चरखों का भी बच्चों ने आनंद लिया। सुरक्षा के मद्देनजर मेला क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

नगर क्षेत्र में शाही पुल के समीप गोपी घाट, विसर्जन घाट, हनुमान घाट, केरारबीर, छोटी काशी और अचला देवी घाट पर भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। जलालपुर के उदपुर घाट पर भी सई-गोमती संगम में लोगों ने स्नान किया और मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ अन्नदान किया।९

खुटहन के पिलकिछा तिलवारी घाट पर श्रद्धालुओं ने गोमती नदी में स्नान कर भगवान राम, लक्ष्मण, माता सीता और बजरंगबली के मंदिर में दर्शन किए। यहां प्रसिद्ध ऐतिहासिक साप्ताहिक मेले का भी शुभारंभ हुआ। यह मेला कृषि उपकरणों और मिट्टी के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है। वहीं केराकत के विजयीपुर घाट पर भी श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान कर मेले में खरीदारी की।

धार्मिक मान्यता के अनुसार राजेपुर त्रिमुहानी संगम का विशेष महत्व है। गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस में वर्णित चौपाई 'सई उतरि गोमती नहाए, चौथे दिवस अवधपुर आए' इस स्थल की धार्मिक महत्ता को दशार्ती है। मान्यता है कि भरतजी ने अयोध्या लौटते समय इसी स्थान पर स्नान किया था।

19वीं मंजिल से कूदकर 11वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाली एक 11वीं कक्षा की छात्रा ने आज तड़के अपनी सोसाइटी के 19वीं मंजिल स्थित फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर -39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाले अभिनव दुबे की 16 वर्षीय बेटी डिशिता दुबे ने 19वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से मंगलवार सुबह 3 बजे के करीब छलांग लगा दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला की मृतका के परिजनों ने किसी बात को लेकर उसे डांट दिया था। इस बात से वह परेशान थी। वह एक नामी स्कूल से 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पिता एडीडास कंपनी में वरिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। वह मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले हैं। मृतका के मोबाइल फोन और परिवार के लोग से पूछताछ के आधार पर आत्महत्या के कारण कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

यूपी में मोदी-योगी के नेतृत्व में कायम हुई शांति और सामाजिक समरसता : लाल सिंह आर्य

कानपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सामाजिक समरसता का माहौल बना है। प्रदेश में दंगे बंद हुए हैं और अपराधियों में कानून का डर है। भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ फिर सरकार बनाएगी। यह बातें सोमवार को कानपुर स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पत्रकारों से बातचीत में कहीं।



उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्रम आयोजित करने और मोर्चा निकालने का अधिकार है, लेकिन जनता का भरोसा भाजपा और उसके नेतृत्व पर है। प्रदेश सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं के जरिए समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। विपक्ष के भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों पर उन्होंने इंडी गठबंधन और कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि इनके शासनकाल में पेपर लीक, परीक्षा घोटाले और भ्रष्टाचार की घटनाएं हुईं। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी रही है।

सपा और बसपा की ओर से दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम समीकरण के सहारे 2027 का विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर लाल सिंह आर्य ने कहा कि किसी एक जाति के सहारे सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। भाजपा को दलित, पिछड़े, ब्राह्मण, क्षत्रिय समेत सभी वर्गों और धर्मों का समर्थन मिल रहा है। पार्टी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ काम कर रही है।

सपा सरकार के कार्यकाल में बनाए गए स्कूलों और अन्य योजनाओं को आगे बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा कि अगर सपा ने अपने समय में शुरू किए गए स्कूलों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया होता तो जनता उसे चुनाव में नहीं हराती। जनता को शिक्षा के साथ शांति, सुरक्षा और बेहतर जीवन भी चाहिए। विकास केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी क्षेत्रों में काम करना जरूरी है।

केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि देश में रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। नए एयरपोर्ट बनाए जा रहे हैं और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में लगातार काम हो रहा है। इसके साथ ही महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास और डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसी महान विभूतियों को सम्मान देने का काम किया जा रहा है।

भाजपा में टिकट वितरण और संगठन की एकजुटता पर उन्होंने कहा कि पार्टी किसी व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि विचारधारा पर चलती है। टिकट की घोषणा से पहले दावेदार अपनी बात रखते हैं, लेकिन प्रत्याशी घोषित होने के बाद सभी कार्यकर्ता और दावेदार पार्टी के उम्मीदवार को जिताने में जुट जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2027 में दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएगी।

लाल सिंह आर्य ने कांग्रेस और सपा पर दलितों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने संत रविदास, कांशीराम और मायावती से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए विपक्ष पर दलित विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का दलित समाज भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में फिर बड़ी

लखनऊ से मुंबई का सफर बना सजा: ट्रेनों में वेटिंग 181 के पार, कन्फर्म टिकट के लिए तरस रहे यात्री



लखनऊ

लखनऊ से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण वेटिंग लिस्ट 181 के पार पहुंच गई है। कई ट्रेनों में टिकट बुकिंग (रिग्रेट) तक बंद हो गई है। यात्रियों की इस बड़ी परेशानी को देखते हुए दैनिक यात्री एसोसिएशन ने रेलवे से इस रूट पर तीन जोड़ी नई नियमित ट्रेनें चलाने की मांग की है।

लखनऊ से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग का आंकड़ा 181 तक पहुंच गया है। कई ट्रेनों में सीटें फुल होने के साथ वेटिंग टिकटों की बुकिंग भी बंद हो गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और ट्रेनों में जगह की कमी को देखते हुए दैनिक यात्री एसोसिएशन ने इस रूट पर तीन जोड़ी नई नियमित ट्रेनें चलाने की मांग उठाई है।

दरअसल, लखनऊ और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार और नौकरी के सिलसिले में मुंबई आते-जाते हैं। फिलहाल पुष्पक एक्सप्रेस के अलावा उद्योगनगरी, एलटीटी एक्सप्रेस, अवध, कुशीनगर एक्सप्रेस समेत करीब एक दर्जन ट्रेनें इस रूट पर संचालित हो रही हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इन ट्रेनों से प्रतिदिन 20 से 25 हजार यात्री मुंबई रूट पर सफर करते हैं, जबकि उपलब्ध सीटों की संख्या करीब आठ हजार ही है। ऐसे में बड़ी संख्या में यात्रियों को जनरल टिकट लेकर सफर करना पड़ता है।

दिल्ली-मुंबई रेलखंड व्यस्ततम रूटों में शामिल

दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल का कहना है कि नई ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। वहीं, रेलवे अधिकारियों का कहना है कि नई ट्रेनें चलाने के लिए पर्याप्त रैक उपलब्ध कराने के साथ उनके संचालन का शेड्यूल भी तय करना होगा।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 24 लाख रुपए की ठगी

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा में क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर मोटी रकम कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति से 24 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने आज घटना की रिपोर्ट थाना साइबर क्राइम में दर्ज कराई है।



पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि कुनाल गुप्ता निवासी सेक्टर 21 ने आज सुबह को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ दिन पूर्व उनसे सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ लोगों ने संपर्क किया तथा क्रिप्टोकरंसी में इन्वेस्ट करने के लिए उन्हें प्रेरित किया। आरोपियों ने उनको बताया कि एक वेबसाइट के माध्यम से क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करने पर उन्हें मोटा मुनाफा होगा। पीड़ित उनके झांसे में आ गए तथा उन्होंने धीरे-धीरे करके उनके खाते में 24 लाख रुपया ट्रांसफर कर दिया।

वाराणसी में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा गुरु नानक देव का 557वां प्रकाशोत्सव

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव महाराज का 557वां प्रकाशोत्सव मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर गुरुबाग स्थित गुरुद्वारा को फूलों की मालाओं, रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक विद्युत सजावट से भव्य रूप दिया गया है। गुरुद्वारा परिसर में फूलों के पौधे और पानी के फव्वारे भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।



प्रकाशोत्सव के अवसर पर सुबह से ही गुरुद्वारा परिसर गुरु की महिमा और गुरुवाणी के मधुर स्वर से गूंज रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारे पहुंचकर अरदास कर मत्था टेक रहे हैं और गुरु की संगत में शबद-कीर्तन में शामिल हो रहे हैं।

'सदुरु नानक परगटया, मिटी धुंध जग चानण होआ...' और 'नानक नाम जहाज है, जो चढ़े सो उतरे पार' जैसे भजनों एवं गुरुवाणी के गायन से संगत निहाल हो रही है। सुखमनी साहिब का पाठ, नाम सिमरन और अरदास के बाद श्रद्धालु गुरु का अटूट लंगर छक रहे हैं। पूरे परिसर में सेवा, श्रद्धा और समर्पण का भाव दिखाई दे रहा है। प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा गुरुबाग में सोमवार शाम से ही धार्मिक कार्यक्रमों और शबद-कीर्तन का सिलसिला शुरू हो गया था। शाम सात से नौ बजे तक गुरुद्वारे के हजूरी रागी भाई नरिंदर सिंह और भाई रकम सिंह ने गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया। इसके बाद रात नौ से दस बजे तक दरबार साहिब, अमृतसर से आए भाई सुरिंदर सिंह और भाई नछत्तर सिंह ने शबद-कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु भक्ति में सराबोर किया।

मंगलवार तड़के 3:45 बजे से ही प्रकाशोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों की शुरूआत हो गई। इस दौरान सुहाना स्वागत, गुरुघर की संगत पर पुष्प वर्षा, नाम सिमरन, सुखमनी साहिब का पाठ और आसा दी वार का कीर्तन आयोजित किया गया।

कार्यक्रमों की अगली कड़ी में सुबह नौ से 10:30 बजे तक गुरुनानक इंग्लिश मीडियम स्कूल (गुरुबाग), गुरुनानक खालसा बालिका इंटर कॉलेज (गुरुबाग) और गुरुनानक इंग्लिश स्कूल (शिवपुर) की छात्राओं द्वारा शबद गायन किया जाएगा। इसके बाद सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक गुरुबाग गुरुद्वारे के हजूरी रागी जत्थे द्वारा गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा।

दोपहर 12:30 बजे के बाद अमृतसर और दिल्ली से आए रागी जत्थों द्वारा शबद-कीर्तन किया जाएगा।

इसके पश्चात अरदास और श्रद्धालुओं के लिए अटूट लंगर का सिलसिला जारी रहेगा। प्रकाशोत्सव को लेकर सिख श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

पात्र विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन तत्काल अग्रसारित करें शिक्षण संस्थान

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ समय से दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने शिक्षण संस्थानों को आवेदन पत्रों के शीघ्र अग्रसारण के निर्देश दिए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, लेकिन अभी तक सभी आवेदन विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों की ओर से अग्रसारित नहीं किए गए हैं। यह जानकारी मंगलवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कोमिल द्विवेदी ने दी ।

उन्होंने बताया कि 23 नवंबर तक पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा नौ और 10 के 48,376 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इनमें से 44,994 आवेदन ही शिक्षण संस्थानों की ओर से अग्रसारित किए गए हैं। इसी प्रकार कक्षा 11 और 12 के 45,888 विद्यार्थियों के आवेदन के सापेक्ष 41,428 आवेदन अग्रसारित हुए हैं। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत कक्षा 11-12 से आगे की कक्षाओं के 1,38,572 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जिनमें से 1,16,415 आवेदन ही अग्रसारित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिलाना विभाग की प्राथमिकता है।

इसके लिए सभी विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से कहा गया है कि वे अपने यहां लंबित आवेदनों की जांच कर उन्हें तत्काल अग्रसारित करें, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कोमिल द्विवेदी ने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान की लापरवाही से पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति अथवा शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित संस्थान के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालय स्तर पर आवेदन लंबित रहने से नवंबर माह की मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग प्रभावित होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित शिक्षण संस्थान की होगी।

कार्तिक पूर्णिमा : बलिया में पांच लाख श्रद्धालुओं ने लगायी आस्था की डुबकी

बलिया।

महर्षि भृगु की धरा बलिया में कार्तिक पूर्णिमा पर पैराणिक काल से महास्नान की परंपरा लाखों श्रद्धालुओं ने निभाई। सोमवार की मध्यरात्रि महावीर घाट स्थित गंगा की रेती पर महा आरती के साथ ही लाखों लोगों ने आस्था की डुबकी लगानी शुरू कर दी।



कार्तिक पूर्णिमा पर्व के अवसर पर सबसे पहले महावीर घाट पर विधिवत पूजन-अर्चन एवं भव्य गंगा आरती की गई। जहां जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने मां गंगा से जनपदवासियों की सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की। आरती के बाद वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने गंगा में दीप दान किया। जिससे देखते ही देखते लाखों दीप गंगा में आकाश में सितारों की तरह टिमटिमाने लगे। सोमवार की मध्य रात्रि से शुरू हुआ स्नान मंगलवार सुबह होते होते आस्था के कुंभ में बदल गया। बलिया शहर से गंगा घाट तक श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। लोग माथे पर गठरी लेकर गंगा घाटों की तरफ चले जा रहे थे। पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा की व्यवस्था चाक चैबंद थी। एक अनुमान के मुताबिक सुबह नौ बजे तक पांच लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई थी। डीएम और एसपी रात्रि से सुबह तक गंगा के विभिन्न घाटों तक चक्रमण करते रहे। वहीं, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह श्रद्धालुओं की सेवा के लिए शिविर लगाए थे। जबकि लोग स्नान के बाद बाबा बालेश्वरनाथ और भृगु मन्दिर में पूजन-अर्चन कर रहे थे।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की व्यवस्थाएं परखने आधी रात दलबल के साथ पांचाल घाट पहुंचीं एसपी आरती सिंह

फरुर्खाबाद।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक श्रीमती आरती सिंह पूरी तरह गंभीर नजर आ रही हैं। व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए वह आधी रात पुलिस बल के साथ पांचाल घाट पहुंचीं। यहां उन्होंने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा प्रबंधों, यातायात नियंत्रण और पार्किंग स्थलों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए।



थाना कादरीगेट क्षेत्रांतर्गत पांचाल घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक ने देर रात मौके पर पहुंचकर उन स्थानों की स्थिति परखी, जहां श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही और भीड़ का दबाव रहने की संभावना है। उन्होंने घाट तक पहुंचने वाले रास्तों, वाहनों की आवाजाही और निर्धारित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण करते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसपी ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा कराया जाए और मेला क्षेत्र में अनावश्यक भीड़ तथा जाम की स्थिति न बनने दी जाए। सुरक्षा ड्यूटी में लगाए गए पुलिसकर्मी अपने निर्धारित स्थानों पर मुस्तैद रहें।

गंगा की लहरों पर अठखेलियां कर रहे साइबेरियन पक्षी, विदेशी मेहमानों के कलरव से गुलजार हुए काशी के घाट

सात समंदर पार कर काशी पहुंचे प्रवासी पक्षी, सुबह-सुबह घाटों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़, नौका विहार के दौरान पक्षियों का झुंड आकर्षण का केंद्र

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में सर्दियों की दस्तक के साथ ही गंगा की लहरों पर विदेशी मेहमानों की चहचहाहट गूंजने लगी है। सात समंदर पार कर साइबेरिया और आसपास के ठंडे इलाकों से पहुंचे प्रवासी पक्षियों ने उत्तरवाहिनी गंगा के तटों पर डेरा डालना शुरू कर दिया है। गंगा की लहरों पर अठखेलियां करते, पानी में तैरते और झुंड बनाकर आसमान में उड़ान भरते इन पक्षियों का मनमोहक नजारा पर्यटकों और स्थानीय लोगों को खूब लुभा रहा है। सुबह की पहली किरण के साथ ही इन विदेशी मेहमानों को



निहारने, उनकी अठखेलियों को कैमरे में कैद करने और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग घाटों पर पहुंच रहे हैं।

नौका विहार करने वाले पर्यटकों के लिए भी इन पक्षियों की मौजूदगी आकर्षण का खास केंद्र बनी हुई है। गंगा की लहरों पर चलती नावों के आसपास मंडराते और पानी की सतह पर तैरते पक्षियों के झुंड काशी के घाटों की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, अहिल्याबाई घाट और नमो घाट सहित अन्य गंगा तटों पर सुबह के समय इनका कलरव सुनाई दे रहा है। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह नजारा किसी खूबसूरत तस्वीर से कम नहीं है।

बताया जाता है कि ये प्रवासी पक्षी आमतौर पर नवंबर से फरवरी के अंत तक करीब चार महीने काशी और आसपास के गंगा तटीय इलाकों में प्रवास करते हैं। साइबेरिया और उसके आसपास के क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ने तथा झीलों के जम जाने से भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है।

ऐसे में अनुकूल मौसम और भोजन की तलाश में ये हजारों किलोमीटर का सफर तय कर गर्म क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं। वाराणसी में इनका आगमन नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू हो जाता है। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, ये पक्षी करीब चार हजार किलोमीटर की दूरी तय कर काशी पहुंचते हैं और सर्दियों के दौरान गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

सफेद शरीर, बड़ी चोंच और लंबे पैरों वाले इन प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से गंगा के दोनों किनारों का नजारा भी बदल जाता है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा, चार स्कूली बच्चों की मौत, 24 की हालत नाजुक

कन्नौज (उत्तर प्रदेश)।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में चार स्कूली बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 210 के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। आगरा से पिकनिक मनाकर लौट रही कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई सीटें उखड़ गईं। बस में सवार बच्चे अंदर ही फंस गए।



बताया गया कि बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए चालक ने बस एक्सप्रेस-वे किनारे खड़ी की थी। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने बस में टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद बच्चों को बस से बाहर निकालकर एंबुलेंस से तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान आर्यन चौरसिया (14), रजिउल्लाह (16), जैद मिर्जा (17) और अरमान (17) के रूप में हुई है।

झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज



नई दिल्ली । झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8



रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।
शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं।
उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं।
झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।

आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।



शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन
67 गेंदों पर

भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने



इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।



भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच बैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह



भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं।
आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।
पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती।'

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।

वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे।'

उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।



प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी



नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की बिडिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगी रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं।'

मोटापे से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं एक्यूप्रेशर तकनीक

मोटापे से परेशान लोग वजन घटाने के लिए व्ययाम, योगा, खाने पर कंट्रोल क्या कुछ करते हैं। कुछ लोग जिम जाकर घंटो एक्सरसाइज करके पसीना बहाते हैं। कई बार ज्यादा देर जिम करने से कई तरह की शरीरिक प्रॉब्लम भी शुरू हो जाती है। ऐसे में वजन घटाने के लिए आप एक्यूप्रेशर तकनीक को भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें शरीर के बिंदुओं को दबाना होता है। जिससे आपको भूख कम लगेगी और आपके वजन पर भी कंट्रोल होगा। मानव शरीर पर ऐसे बिंदु होते हैं जिसे दबाने से कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है और मोटापे को भी कम किया जा सकता है। एक्यूप्रेशर तकनीक यूज करते हुए एक बात का ध्यान रखें कि अपने खाने पर कंट्रोल करें और जितना हो सके पानी पीएं।

कान



कान के पास के बिंदु को दबाने से भूख पर कंट्रोल होता है और जरुरत से ज्यादा खाने की आदत से छुटकारा होता है। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाते हुए कान के पास फ्लैप हिस्से को दो से तीन मिनट तक दबाना होगा। वैसे तो आप इस तकनीक को सुबह या शाम किसी भी वक्त अपना सकते हैं। लेकिन सुबह के समय इस हिस्से को दबाना ज्यादा बढ़िया रहेगा।

हाथ

हथेलियों पर इस तकनीक को अपनाने के लिए अंगूठे के पास वाले उभरे हिस्से को प्रतिदिन दो मिनट तक दबाना होगा। इसे दबाने से आपका डाइजेशन इंप्रूव होगा और बहुत ही तेजी से वजन घटना शुरू होगा।

पैर

पैर पर इस तकनीक को अप्लाई करने के लिए एंकल प्वांइट मतलब एड़ी के ऊपर वाले हिस्से की हड्डी के पीछे की ओर यहां पर खत्म होती है। उसे अपने हाथ की उंगली और अंगूठे से दबाने से भूख पर कंट्रोल होगा जिससे वजन भी कम होगा।

पेट

अगर आप पेट के मोटापे से परेशान हैं तो आप अपनी नाभि से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो उंगलियों से कुछ मिनट तक प्रेशर दें। ऐसा करने से आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा।

कोहनी

मोटापे पर काबू पाने के लिए आप अपनी कोहनी के जोड़ ऊपरी हिस्से को पांच से सात मिनट तक दबाएं। इस प्रक्रिया को आप दोनों साइड दोहरा सकते हैं।

जानिए महिलाओं में

हार्टअटैक के 5 प्रमुख लक्षण...

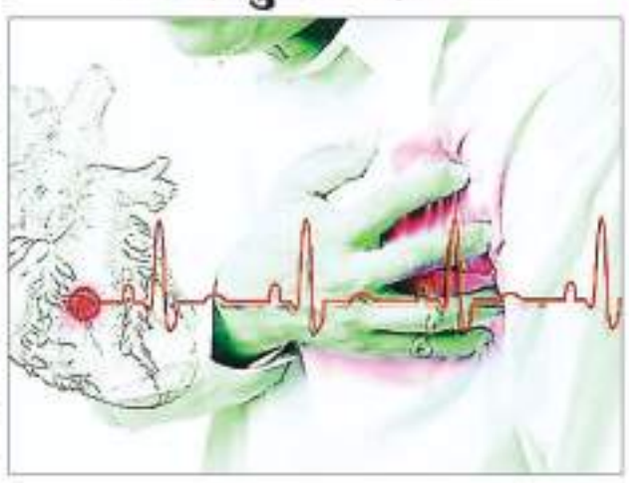

पुरुष और महिलाओं में शारीरिक संरचना, हार्मोन्स के अलावा भी अंतर पाए जाते हैं, यही कारण है कि दोनों में किसी भी बीमारी के लक्षण, तीव्रता आदि में भी फर्क होता है। जानिए महिलाओं में हार्ट अटैक के यह 5 लक्षण-

1 थकान- लंबे समय तक आराम करने के बावजूद अगर आप थकान महसूस कर रही है, किसी काम में मन नहीं लग रहा और घबराहट महसूस हो रही है, तो डॉक्टर से संपर्क करने में देर न करें।

2 सीने में दर्द- तेज बेचैनी के साथ सीने में दर्द महसूस होना और सीने पर काफी भारीपन या भी दबाव महसूस होना भी हृदय समस्या या दिल के दौरे की आहट हो सकती है।

3 पसीना- पेट में तेज दर्द होना या फिर तेजी से पसीना निकलना भी इन लक्षणों में शामिल है। खास तौर से जब आपको ठंडा पसीना निकल रहा हो, तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

4 सांस- इस स्थिति में सांस लेने में काफी परेशानी होती है। अगर आपको कभी भी महसूस हो कि आप सहजता से सांस नहीं ले पा रही हैं तो अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

5 दर्द- पीठ दर्द, हाथ व जबड़ों में दर्द के साथ खिंचाव महसूस होना भी हृदय समस्या का एक लक्षण है। इस बारे में आपको ही सतर्क रहने की आवश्यकता है।

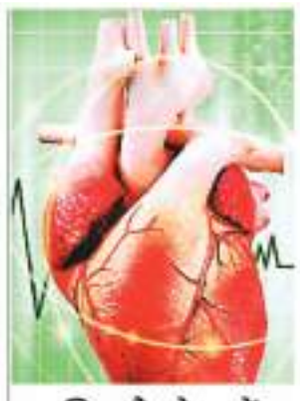

जानिए कैसे करें दिल की सुरक्षा

हार्टअटैक के बाद कुछ ऐसी गलतियां है जो कि भूलकर भी हमें कतई नहीं करनी चाहिए। आजकल हमारी बदलते लाइफस्टाइल के चलते दिल के रोगों का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। हार्टअटैक होते समय दिल तक पहुंचने वाला खून और धमनियों में खून के थक्के बहुत ज्यादा जमा हो जाते हैं। जिस कारण पूरे शरीर में रक्त संचार बहुत प्रभावित हो जाता है। हार्ट अटैक के मरीज को स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक होता है। तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बता रहे है जो कि हार्ट अटैक के मरीज को ध्यान में रखना बहुत आवश्यक होता है।

- हार्टअटैक के बाद बिस्तर पर पड़े रहने से बहुत बेहतर है कि आप थोड़ा बहुत चल फिर लें। साइकिल चलाएं, टहलें।
- रिपोर्ट के मुताबिक, हार्ट अटैक का खतरा सबसे ज्यादा हाई ब्लड प्रेशर से होता है। तनाव, व्यायाम ना करना आपके दिल के लिए गंभीर खतरा भी बन सकता है।
- अगर आप एक बार हार्ट अटैक का शिकार हो चुके हैं तो ऐसे में आपको धूम्रपान करना बंद करना पड़ेगा।
- हार्टअटैक के बाद कभी भी पेस्ट्री, चॉकलेट या फिर मिठाई आदि का सेवन कतई ना करें।
- अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक नमक का सेवन अधिक करने से हार्ट अटैक की गंभीर परेशानी हो जाती है।
- ऐसी स्थिति में आपको खाने में कम से कम तेल या घी का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए।

रेसिपी



पापड़ पोटैटो रोल

सामग्री

- पापड़- 8
- उबला, छिला और मैश किया आलू- 1 कप
- मैदा- 1/2 कप
- बारीक कटी मिर्च- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- नीबू का रस- 1 चम्मच बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच
- तेल- आवश्यकतानुसार

विधि

एक बर्तन में मैदा और तीन-चौथाई कप पानी डालें। मैदे के घोल को अच्छी तरह से मिलाएं ताकि उसमें एक भी गांठ न रहे। एक दूसरे बर्तन में आलू, हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, नमक, नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। मिश्रण को छह बराबर हिस्सों में बांटें और उसे हाथों से रोल करके लंबा और चपटा रूप दें। पापड़ को टुकड़ा करके एक प्लेट में रख लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। अब आलू वाले रोल को पहले मैदे के घोल में डुबोएं और उसके बाद पापड़ के टुकड़े के ऊपर रोल करें ताकि टुकड़े उसमें अच्छी तरह से चिपक जाएं। रोल को गर्म तेल में सुनहरा होने तक अच्छी तरह से तलें। हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।



कटहल के कबाब

- कटहल-बारीक टुकड़े
- बेसन- आधी कटोरी
- तेल- एक छोटा चम्मच
- पुदीने के पत्ते- बारीक कटा हुआ
- हरा धनिया- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कटहल को उबाल लें और ठंडा होने के बाद उसका पानी अच्छे से निचोड़ लें। बेसन का घोल बनाएं और इसे बेसन के घोल में लगाकर कढ़ाही में फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें मसाले जैसे मिर्च, हरा धनिया, नमक, अमचूर और पुदीने की पत्ती मिलाकर भूनें। ठंडा होने पर इसके हाथों से कबाब बनाएं और हल्का फ्राई कर लें। प्याज और हरी चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम होगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पहुंचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा देनों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन — का की कू ब ड छ के को हा
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यापकता सिद्ध होगा। प्रतिपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रू रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 4078

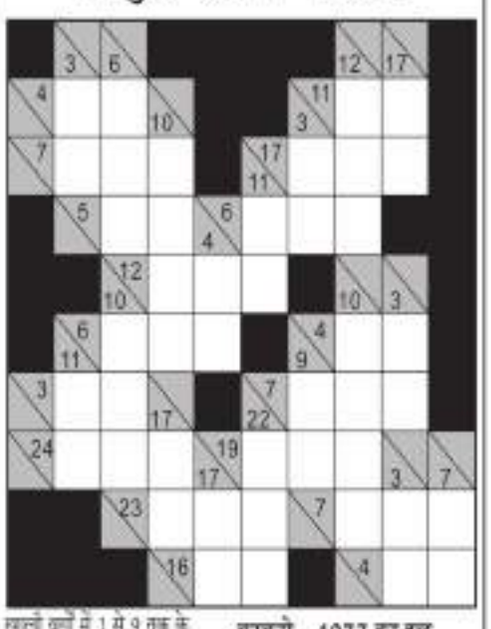

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4077 का हल



हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 4078

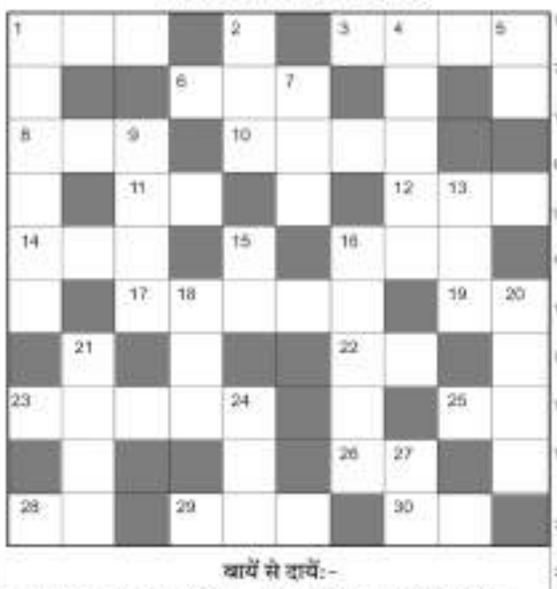

बायें से दायें:-

१. जतिन रोवाल, यज्ञ पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रैना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी, चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, कविता की 'छम्मक छल्ले जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फरुख शेख, नसीरुद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रिंतिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. विनोद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'मिर्फ्युम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कनैया' गीत वाली आमिरखान, प्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-१,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओपरे जलता है बुझता है' गीत वाली रानी, धोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नीहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतसिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4077



सूडोकु -4078

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4077 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 4078

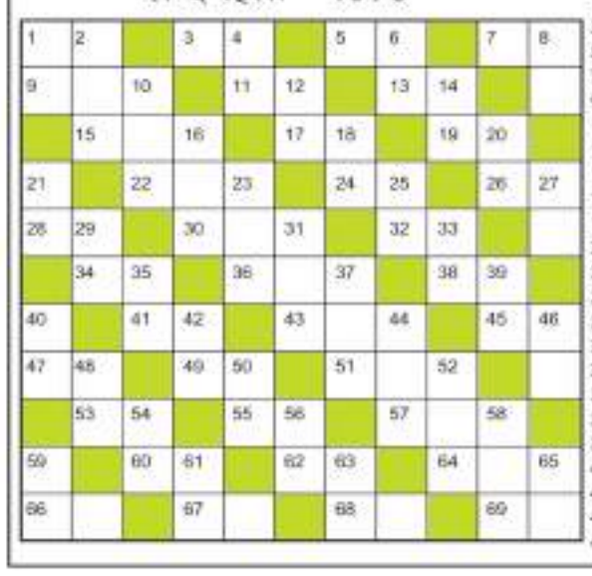

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.धक्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.बहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रपत्य-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टीटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुक्म-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4077 का हल



सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी